नाबालिग से दुष्कर्म : प्रियंका बोलीं.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2'... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 168 | गाजियाबाद / रविवार 20 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सड़कों पर पशुओं को लावारिस छोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए एनएचएआई का कड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने वाले आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राजमार्गों और एक्सप्रेस वे पर मवेशियों को लावारिस छोड़ने वाले पशु मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं और अन्य जानवरों की लगातार मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतः संज्ञान रिट याचिका में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस वे से आवारा पशुओं को सुरक्षित हटाने का निर्देश दिया था। राजमार्ग एजेंसियों और राज्य सरकारों को जारी मानक संचालन प्रक्रिया में कहा गया कि राष्ट्रीय राज मार्गों,एक्सप्रेस वे से आवारा पशुओं को हटाने और आश्रय स्थलों तक पहुंचाने का खर्च देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या के राम मंदिर में पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू

- तुलसी कंठी धारण करने वाले पुजारी ही गर्भगृह में कर सकेंगे प्रवेश

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद रामलला की पूजा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है। पूजा व्यवस्था के संचालन के लिए गठित नई धार्मिक समिति ने पूजा अर्चना को रामानंदी परंपरा के मुताबिक कड़ाई से पालन करने की व्यवस्था की है। अब पुजारियों के लिए ड्रेस कोड बनाया है। इसके मुताबिक पुजारियों को पीत वस्त्र धारण करना होगा।

साथ में वे दाढ़ी-मूंछ व केश रखेंगे अथवा क्लीन सेव रहना होगा। रोजाना धुली पीले रंग की ड्रेस पहननी होगी जो रेशमी अथवा सूती कपड़े की हो सकती है। धार्मिक समिति के सदस्य महंत राजकुमार दास ने बताया कि यदि किसी पुजारी के घर में किसी का जन्म अथवा मृत्यु होती है तो सूतक के दौरान रामलला के गर्भगृह में प्रवेश नहीं करेगा। शुद्धिकरण के बाद ही वह पूजा कर सकेगा। पुजारी ही रामलला के गर्भगृह में प्रवेश कर सकेंगे। उनको रामानंदी परंपरा में दीक्षित होना व तुलसी की माला धारण करना भी अनिवार्य किया गया है। ड्यूटी के दौरान शौच आदि पर जाने पर पुन: शुद्ध होना होगा।

बंगाल उपचुनाव में रेजीनगर से ममता के प्रत्याशी फिर पलटे

रबीउल आलम ने सुबह कहा-नहीं लड़ूंगा,दोपहर में बोले-लड़ूंगा

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 2 सीटों के उपचुनाव के पहले सियासी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। रेजीनगर में टीएमसी उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया।

रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न 'जोड़ा घासफूल' नहीं मिलने और नया चिह्न 'फुटबॉल प्लेयर' मिलने को इसकी वजह बताया था। हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा। इससे एक दिन पहले नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। रेजीनगर और नंदीग्राम सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद और रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। ममता बनर्जी ने टीएमसी का नाम और 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

पंजाब सीएम के काफिले पर पूर्व मंत्री ने फेंके अंडे-टमाटर

- बिट्टू हिरासत में, बोले-मान शराब का आनंद लें, केजरीवाल को पंजाब लूटने दें

लुधियाना (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लुधियाना में सीएम भगवंत मान के काफिले पर अंडे-टमाटर फेंके। बिट्टू ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के गेट के पास मुख्यमंत्री के काफिले की ओर शराब की बोतल लहराते हुए कहा कि वह मान को बोतल लौटा रहे हैं। उन्होंने बोतलें फेंकते हुए कहा- भगवंत मान अपनी शराब का आनंद लो और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को लूटने दें। प्रदर्शन के दौरान पंजाब पुलिस ने बिट्टू को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए जाने के बाद बिट्टू के एक्स हेंडल से पोस्ट किया गया-लोगों की आवाज को हिरासत और पर्चे से दबाया नहीं जा सकता। आज पंजाब पुलिस ने हमें हिरासत में ले लिया है, लेकिन हमारा हौंसला बुलंद है। बता दें कि एक दिन पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया था।

छात्र नफरत नहीं करते प्यार से बात करते हैं

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' में स्टूडेंस को लेकर बोले राहुल गांधी

इंदौर (एजेंसी)। राहुल गांधी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। राहुल ने 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय पर बात रखी। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र नफरत नहीं करते, प्यार से बात करते हैं। परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों से भी गलतियां हुई हैं, लेकिन कहीं न कहीं उनका सिस्टम पर भरोसा खत्म हो गया है। इस पर छात्रों की ओर से आवाज आई, सर, हम सिस्टम से हार गए। राहुल गांधी ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के लालच में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था का हिस्सा बने रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान छात्रों को उठाना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम छात्रों से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। छात्र असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है और वे दबाव में हैं। उन्होंने कहा, आइए, छात्रों की आवाज सुनते हैं। वे सिस्टम के बारे में क्या कह रहे हैं, इसे सुनते हैं। छात्रों के मन में सवाल है कि परीक्षाओं पर भरोसा कैसे किया जाए? कैसे भरोसा करें कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है?

आज स्टूडेंट खुश नहीं, उन्हें भविष्य नहीं दिख रहा

राहुल गांधी ने कहा- अगर आज हम स्टूडेंट्स से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। स्टूडेंट्स असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य नहीं दिख रहा और वे दबाव में हैं। राहुल गांधी ने कहा,आपने मेरा जिस तरह स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा, देहरादून और पुणे के बाद अब इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। राहुल ने कहा कि हर शहर में कार्यक्रम के दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दे और उनके भविष्य से जुड़े सवाल उठाए जाते हैं। इनमें पेपर लीक, संस्थागत विफलता, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, शिक्षा की बढ़ती लागत और निजीकरण जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा, इंदौर में हमने तय किया है कि आज का विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' होगा। छात्र बताएंगे कि सिस्टम क्या है, वह छात्रों को कैसे प्रभावित कर रहा है और किस तरह छात्रों के भविष्य के सामने चुनौतियां खड़ी हो रही हैं।

योगी उवाच-मैं नौकरी देता जाऊंगा वह गिनते जाएं

पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ में अखिलेश और शिवपाल यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहले नौकरियों में डकैती डालने के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी बेखौफ निकल पड़ती थी। आज उपदेश की भूमिका में हैं। 2027 के बाद उपदेश भी नहीं रह पाएंगे। योगी ने कहा- पहले बिना परीक्षा दिए ही नौकरी मिल जाती थी। विज्ञापन जारी होते ही ठेके बांट दिए जाते थे और धंधा शुरू हो जाता था। जिन्होंने 2017 से पहले नियुक्ति पत्र वितरण में गदर मचाई थी, वे नोट कर लें कि अगले 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। वे गिनते रहें, हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम ने लोकभवन में लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के 818 अभ्यर्थियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। सीएम ने कहा- 2017 से पहले चयन आयोग का चेयरमैन ऐसे व्यक्ति को बनाया गया, जो खुद योग्य नहीं था। चेयरमैन बनने के बाद उसने गदर मचाई। इसके चलते युवाओं को सड़क पर उतरना पड़ा।

उफनते नाले में बही कार, 8 की मौत

- एमपी में हुआ हादसा ,7 ओडिशा के, लोगों ने किया चक्काजाम
- नलखेड़ा दर्शन करने गए थे

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा के नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे शामिल हैं। 7 मृतक ओडिशा के हैं, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौद का रहने वाला था। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी।

एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक, हादसा रात करीब 3 बजे हुआ। शुरुआती जांच में मौत का कारण डूबना सामने आया है। पुलिस मंदिर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

ड्राइवर समेत 6 मृतकों की पहचान हो गई है। ड्राइवर अरुण गोयल के अलावा मृतकों में राधा रानी बहेरा, ज्ञानेंद्र कुमार बहेरा, रितारानी पत्नी ज्ञानेंद्र बहेरा, कृष्णा राजवीर पुत्र शिवप्रसाद बहेरा और शिवप्रसाद बहेरा शामिल हैं।

अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम, दुकानें बंद

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। विरोध में दुकानें भी बंद कर दी गई हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। कलेक्टर, एसपी दिलीप कुमार सोनी और एएसपी रवींद्र कुमार बोयट समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। नलखेड़ा में पिछले 24 घंटे में 3.7 इंच बारिश हुई। रात में तेज बारिश के बाद नाले का पानी बढ़ गया। बहाव में कार पुलिया से करीब 100 मीटर दूर चली गई। सुबह पानी उतरने पर कार की छत दिखाई दी। स्थानीय व्यक्ति की सूचना पर पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की मदद से कार को बाहर निकाला गया। सभी शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए।

मां मोबाइल देख रही थी बच्ची चलती ट्रेन से गिरी

खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी थी, झटके से बाहर हुई, बचाया

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में पवन एक्सप्रेस में मां के साथ सफर कर रही डेढ़ साल की बच्ची चलती ट्रेन से अचानक नीचे गिर गई। घटना 15 सितंबर को कटनी-जबलपुर के बीच हुई। ट्रेन कटनी स्टेशन से निकलने के बाद करीब 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। बच्ची इमरजेंसी खिड़की से करीब 8 फीट नीचे नुकीली गिट्टियों पर जा गिरी। उसे गायब देख मां संजीदा खातून बदहवास हो गईं। यात्रियों ने फौरन चेन पुलिंग की और ट्रैक पर दौड़कर बच्ची को उठा लिया। उसके सिर, पीठ, हाथ-पैर में चोट लगने से बच्ची के शरीर से खून निकल रहा था।

बच्ची कब उठी, मां को पता ही नहीं चला- 26 वर्षीय संजीदा मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उनके पति मुंबई में नौकरी करते हैं। वह डेढ़ साल की बेटी के साथ मुजफ्फरपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई जा रही थीं। वह लोअर बर्थ पर बच्ची को साइड में लिटाकर मोबाइल देख रही थीं। इसी दौरान बच्ची उठकर इमरजेंसी खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी हो गई। ट्रेन के झटके से वह खिड़की से बाहर जा गिरी। बच्ची अचानक गायब हुई तो मां को कुछ समझ नहीं आया। यात्रियों ने बाहर गिरने की आशंका जताई।

नेपाल के रास्ते बिहार पहुंच रही पाकिस्तान की 'ब्यूटी'

देश में प्रतिबंधित है 'गोरी ब्यूटी' और 'चांदनी व्हाइटनिंग'

भागलपुर (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैयार प्रतिबंधित सौंदर्य प्रसाधनों की खेप नेपाल के रास्ते पूर्वी बिहार और कोसी-सीमांचल के बाजारों तक पहुंचने का मामला सामने आया है। इंडो-नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी की टीम द्वारा बड़ी मात्रा में पाकिस्तानी क्रीम पकड़े जाने के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जानकारी सामने आई है। इसके बाद भागलपुर समेत कोसी और सीमांचल क्षेत्र के जिलों में ड्रग विभाग ने भी निगरानी बढ़ा दी है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने पाकिस्तान के लाहौर स्थित कंपनियों की ओर से निर्मित गोरी ब्यूटी क्रीम और चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। जांच में इन दोनों क्रीमों में निर्धारित मानकों से कई गुना अधिक मात्रा में खतरनाक भारी धातुएं (हेवी मेटल्स) और पारा (मर्करी) जैसे विषैले तत्व पाए जाने की बात सामने आई है।

पीएम मोदी ने युवाओं को बांटे 51 हजार नियुक्ति पत्र

- कहा-विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है देश
- पीएम बोले-इसमें आप जैसे युवाओं की है बड़ी भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे।

आज करीब आधे स्टार्टअप छोटे शहरों में- भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है और भारत की स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है। आज करीब आधे रिकग्नाइज्ड स्टार्टअप टियर2 और टियर3 शहरों में हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स समिट खत्म हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ब्रिक्स का सहयोग सिर्फ सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे एंटरप्रेन्योर्स, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ ब्रिक्स कनेक्ट और ब्रिक्स कोऑपरेशन पोर्टल जैसी पहल शुरू की गई हैं। पिछले कुछ सालों में भारत सरकार का लगातार ध्यान युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास-हमारी कोशिश यही रही है कि युवाओं की शिक्षा और उनके कौशल को बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं।

आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत

पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही। साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजन की भी तपस्या है। मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म : प्रियंका बोलीं- जिम्मेदारी लेने से बच रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और निर्मम हत्या के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश में महिला सुरक्षा की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में इस क्रूर घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक 17 साल की बच्ची के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं और उसे बर्बरता से मार डाला गया। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ ही दिन पहले एक और नाबालिग लड़की का बलात्कार किया गया था।

प्रियंका गांधी ने महिला सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खोखली बातें होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सैकड़ों महिलाओं पर अत्याचार और हिंसा होती है, लेकिन अपराधी ठोस कार्रवाई की उम्मीद नहीं कर सकते, यहां तक कि एफआईआर भी दर्ज नहीं होती। उन्होंने समाज और सरकार दोनों को महिलाओं को सुरक्षा, स्वतंत्रता और समानता का अधिकार देने में पूरी तरह विफल करार दिया। इससे पहले, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी दिल्ली की घटना पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि महिलाओं की सुरक्षा के बिना भारत आगे नहीं बढ़ सकता। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा, दिल्ली में 17 साल की युवती के साथ गैंगरेप हुआ, उसकी हत्या कर शव खुले मैदान में फेंक दिया गया। राजधानी में इतनी बड़ी दरिंदगी और पुलिस को कई दिनों तक भनक नहीं लगती। दुर्भाग्य है कि दिल्ली आज राजधानी नहीं, महिलाओं के लिए हर दिन की खौफनाक कहानी बनकर रह गई है। उन्होंने गृह मंत्री से दिल्ली पुलिस के अधीन होने का सवाल उठाते हुए पूछा कि महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है, क्योंकि अपराधी तो बेखौफ घूम रहे हैं। उन्होंने दरिंदों की तत्काल गिरफ्तारी, कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग की, साथ ही इस आपराधिक गैर-जिम्मेदारी की जवाबदेही तय करने को कहा। यह मामला 13 सितंबर को सामने आया था, जब उत्तरी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक बुरी तरह सड़ी-गली लाश मिली। जांच में पीड़िता की पहचान हुई और पता चला कि इस वारदात को चार लोगों ने अंजाम दिया, जिनमें तीन नाबालिग हैं। आरोपियों ने बाद में लड़की के शव को खुले इलाके में फेंक दिया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता आरोपियों को जानती थी और उनके साथ टेंपो में सफर कर रही थी। सफर के दौरान सभी ने शराब पी और फिर लड़की के साथ दुष्कर्म कर चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र की मौत पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे में एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र ने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से ही कैंपस में तनाव है और गुस्साए छात्रों ने देर रात विरोध-प्रदर्शन किया।
संस्थान ने बताया कि शुक्रवार को ही अधिकारियों ने उसे परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा था। छात्र ने सवाल का जवाब पाने के लिए परीक्षा का प्रश्न पत्र चैटजीपीटी पर अपलोड किया था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईआईटी बॉम्बे प्रशासन ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि छात्र के खिलाफ कोई दंडात्मक या अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। पकड़े जाने के बाद विभागाध्यक्ष और कोर्स इंस्ट्रक्टर ने छात्र से बात की थी। संस्थान के मुताबिक अधिकारियों ने छात्र की काउंसलिंग की और उसे भरोसा दिलाया कि इस घटना का उसके एकेडमिक करियर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। बाद में वह अपने हॉस्टल के कमरे में लौट गया। इसके बाद शुक्रवार शाम अधिकारियों को वह कमरे में मृत मिला। संस्थान ने छात्र के बारे में और जानकारी नहीं दी।
संस्थान ने कहा कि उसने छात्र के दोस्तों, क्लासमेट्स, फैकल्टी सदस्यों और घटना से प्रभावित अन्य लोगों को मदद दी है। संस्थान ने कहा कि मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। छात्र की मौत की खबर फैलते ही कैंपस में हलचल मच गई। बड़ी संख्या में छात्रों ने एकत्र होकर देर रात विरोध-प्रदर्शन किया। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अभी हाल ही में आईआईटी दिल्ली में एमएससी फिजिक्स के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी।

29 करोड़ का बना प्लेटफार्म, पहली बारिश में खुली व्यवस्था की पोल

विदिशा (एजेंसी)। 29 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहली ही बारिश में निर्माण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। तेज बारिश के दौरान प्लेटफार्म पर तेज धार में पानी टपकने लगा, जिससे यात्रियों को छाता लेकर खड़ा होना पड़ा। यात्रियों का कहना है, करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि बारिश से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है. तो ऐसे निर्माण पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कई यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करते समय भीगने से बचने के लिए इधर-उधर खड़ा होना पड़ा। यात्रियों ने जिम्मेदार अधिकारियों से निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने और बारिश के पानी से बचाव की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। करोड़ों की लागत के बावजूद पहली बारिश में सामने आई खामी ने निगरानी और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइबर क्राइम पोर्टल पर 54 लाख आईं शिकायतें, सिर्फ 1.30 लाख में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में साइबर क्राइम के मामलों में एफआईआर दर्ज होने की दर बेहद कम है। 2019 से 2024 के बीच छह साल में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 53.93 लाख शिकायतें आईं, लेकिन एफआईआर सिर्फ 1.30 लाख मामलों में ही दर्ज की गईं। राज्यसभा की गृह मामलों से संबंधित स्थायी समिति की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई। 31 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल हैं। इस पर चिंता जताते हुए समिति ने अपराध के आंकड़ों और कानून-व्यवस्था के दावों पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर हेल्पलाइन 1930 और वेबसाइट पर शिकायत के बाद भी फॉलो-अप में देरी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम रेट कम दिखाने के लिए पुलिस एफआईआर के बजाय सिर्फ गैर-संज्ञेय रिपोर्ट देती है, जिससे गंभीर अपराध छिप जाते हैं और लोग न्याय से वंचित होते हैं। राज्यों द्वारा एनसीआरबी को डेटा भेजने में 1.5 से 2 साल की देरी होती है, जिससे सुरक्षा नीतियां और बजट पुराने आंकड़ों पर बनते हैं। अपराधों की संख्या दबने से असुरक्षित इलाकों में नए थाने, सीसीटीवी और जरूरी पुलिस बल नहीं मिल पाते। समिति ने बताया कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो प्रिंसिपल ऑफेंस रूल पर काम करता है यानी अगर किसी महिला का अपहरण करके उसके साथ लूटपाट की और फिर वीडियो ऑनलाइन लीक कर दिया गया। एनसीआरबी इसे सिर्फ अपहरण में दर्ज करेगा। साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न और लूट का सेकेंडरी डेटा छोड़ दिया जाएगा। इस तरह लाखों सेकेंडरी अपराध डेटा से पूरी तरह गायब हो जाते हैं।

आगर मालवा में भीषण हादसा : उफनते नाले में बही कार, 8 श्रद्धालुओं की मौत

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में भयावह सड़क हादसा सामने आया है, जहां श्रद्धालुओं से भरी कार बारिश से उफनते नाले में बह गई। इस दर्दनाक घटना में तीन बच्चों सहित कुल आठ लोगों की जान चली गई। यह हादसा नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के समीप हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक श्रद्धालु मां बगलामुखी के दर्शन करने नलखेड़ा पहुंचे थे। शुक्रवार देर रात या शनिवार सुबह, जब कार चालक ने मंदिर के समीप बरसाती नाले को पार करने का प्रयास किया, तब वहां पानी के तेज बहाव का सही अंदाजा नहीं लग सका। नतीजतन, कार अनियंत्रित होकर नाले के भीषण बहाव में बह गई। शनिवार की सुबह जब नाले का पानी कुछ उतरा, तब राहगीरों की नजर बही हुई कार पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कार के भीतर से सभी आठ शवों को बाहर निकाला गया। आगर मालवा पुलिस ने घटना में आठ मौतों की पुष्टि की है। मरने वालों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार में सवार सात लोग ओडिशा के निवासी थे, जिन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी और वे मां बगलामुखी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। इस हृदयविदारक हादसे के बाद मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस : सीएम सोरेन पीएमएलए कोर्ट में नहीं हुए पेश

रांची(एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची की विशेष पीएमएलए अदालत में बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने अदालत में को बताया कि मुख्यमंत्री पूर्वनिर्धारित संवैधानिक दायित्वों में व्यस्त हैं। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय कर उन्हें शाम चार बजे व्यक्तिगत या वर्चुअल माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम झारखंड हाईकोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज होने के बाद सामने आया। हाईकोर्ट ने रांची की विशेष पीएमएलए अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सोरेन की डिस्चार्ज याचिका को अस्वीकार किया गया था, जिससे निचली अदालत में आगे की कार्यवाही का रास्ता साफ हुआ था।

तमिलनाडु में स्कूली बच्चों को खाने में मिलेगी चिकन बिरयानी

-सीएम विजय 22 को पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफ़ास्ट स्कीम के विस्तार की करेंगे शुरुआत

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय 22 सितंबर को छठी से आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफ़ास्ट स्कीम के विस्तार की शुरुआत करेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ए राजमोहन ने बताया कि सीएम विजय ने सामान्य खाने के अलावा अलग-अलग तरह के और स्वादिष्ट मेन्यू विकल्प लाने के लिए एक विशेष समिति बनाने का आदेश दिया है। उन्होंने मेन्यू में नए बदलावों का संकेत देते हुए चिकन बिरयानी जैसे नॉन-वेज विकल्प शामिल करने की बात भी कही है।
इस विस्तारित योजना से 15,454 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छठी से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब 15.30 लाख अतिरिक्त छात्रों को लाभ मिलेगा। यह छात्रों के पोषण के लिए एक अहम कदम है, जिससे यह तय होगा कि वे अपने दिन की शुरुआत सेहतमंद तरीके से करें। इस विस्तार के लिए चालू वित्त वर्ष में 217.63 करोड़ रुपए का अतिरिक्त फंड आवंटित किया गया है, जिससे इस कार्यक्रम का कुल बजट बढ़कर 724 करोड़ रुपए हो गया है। 22 सितंबर को विस्तारित योजना शुरू करने का फैसला यहां सचिवालय में विजय की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया।
उम्मीद है कि सीएम यहां तिरुवनमियूर के एक सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में इस पहल की शुरुआत करेंगे। इस योजना को 17 सितंबर को शुरू होना था, लेकिन सीएम विजय की लंदन यात्रा के कारण इसे टाल दिया गया था। इसे चेंगलपट्टू और तिरुप्पुर जिलों में लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि वहां क्रमशः मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों के लिए चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता लागू है। मेन्यू में उपमा, खिचड़ी और पोंगल जैसे पौष्टिक मुख्य व्यंजन शामिल हैं, साथ ही हफ्ते में दो बार मोटे अनाज से बने विकल्प भी दिए जाएंगे।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में हरिद्वार के खिलाड़ियों का दबदबा, विभिन्न भार वर्गों में जीते पदक

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खेल महाकुंभ 2026-27 के अंतर्गत मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को योगस्थली खेल परिसर, रोशनाबाद में अंडर-14 वर्ग की फ्रीस्टाइल कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। विभिन्न जनपदों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अलग-अलग भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में हरिद्वार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।
दूसरे दिन 38 किलोग्राम अंडर-14 बालक वर्ग में हरिद्वार के रक्षित राठी ने प्रथम, अल्तमश ने द्वितीय और यासिर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 41 किलोग्राम अंडर-14 बालिका वर्ग में हरिद्वार के रिहान ने प्रथम और दिव्यांश ने द्वितीय स्थान हासिल किया। 44 किलोग्राम बालक वर्ग में हरिद्वार के कृष्ण कुमार ने प्रथम, नैनीताल के अर्पित पाल ने द्वितीय तथा चम्पावत के हर्षित और हरिद्वार के विहान लोहान ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। 48 किलोग्राम बालक वर्ग में हरिद्वार के

अरमान प्रथम, यथार्थ लोहान द्वितीय तथा काय मलिक और हर्ष कुमार तृतीय रहे। 52 किलोग्राम वर्ग में हरिद्वार के निशांत ने प्रथम, विशाल ने द्वितीय, ऊधमसिंह नगर के मनन चंद और हरिद्वार के लवकुश सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दी गईं।
प्रतियोगिता में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती सहित विभिन्न अतिथि, जनप्रतिनिधि तथा खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग और प्रांतीय रक्षक दल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी मुकेश भट्ट ने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों के खिलाड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे हैं। आगामी दिनों में विभिन्न आयु और भार वर्गों में मुकाबले होंगे। उन्होंने युवाओं से खेल भावना और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

श्यामपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार से ओपीडी शुरू, स्वास्थ्य सचिव ने किया शुभारंभ

हरिद्वार (शिखर समाचार)। श्यामपुर स्थित नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव विनय शंकर पांडे और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान बताया गया कि केंद्र में शनिवार से बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) की सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। इससे श्यामपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

शुभारंभ के दौरान स्वास्थ्य सचिव विनय शंकर पांडे ने केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मरीजों को नियमित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस केंद्र को आघात उपचार केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा, जिससे दुर्घटना और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को तत्काल उपचार मिल सके।
पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि वर्ष 2022 में उनके कार्यकाल के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को स्वीकृति मिली थी। केंद्र के संचालन से क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह, मेला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष दत्त, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. महिमानंद जोशी, अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। ग्राम प्रधान योगेश चौहान, सुनील पाल, देवेंद्र नेगी, मंडल महामंत्री सुनील पाल सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

22 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड शासन के निर्देशों के क्रम में हरिद्वार जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम 22 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 12 स्थानों पर बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना है।
जिलाधिकारी ने अभियान के सफल संचालन के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। शिविरों में 22 विभागों की सहभागिता रहेगी। विभागों की ओर से योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन, पंजीकरण, प्रमाणपत्र वितरण और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जनसमस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 सितंबर को

बहादराबाद, 24 सितंबर को भगवानपुर, 26 सितंबर को नगर निगम सभागार रुड़की, 29 सितंबर को नारसन, एक अक्टूबर को लक्सर, तीन अक्टूबर को खानपुर, छह अक्टूबर को शिवालिक नगर, आठ अक्टूबर को इब्राहिमपुर, नौ अक्टूबर को मंगलौर, 13 अक्टूबर को पिरान कलियर, 15 अक्टूबर को झबरेड़ा और 17 अक्टूबर को अटल उत्कृष्ट कन्या इंटर कॉलेज भगवानपुर में शिविर आयोजित होगा। सभी शिविर सुबह 11 बजे से शुरू होंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सिंधु संधि पर भारत का फैसला पाक प्रायोजित आतंकवाद के जवाब में जायज कदम

–यूएन मानवाधिकार परिषद में अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने संधि निलंबित को सही ठहराया

नई दिल्ली,, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सत्र में आयोजित कॉन्फ्रेंस में अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने दिल्ली के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को सही ठहराया। गुरुवार को इस कॉन्फ्रेंस में वक्ताओं ने कहा कि भारत का यह फैसला दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और उसकी बदनीयती के जवाब में जायज कदम था। यह पाकिस्तान के लिए एक झटका है क्योंकि उसकी कोशिश इस मुद्दे पर दुनिया का ध्यान खींचने की है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंधु जल संधि पर भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर 1960 को सिंधु प्रणाली की नदियों के पानी के इस्तेमाल को लेकर हस्ताक्षर किए गए थे। बीते साल पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को निलंबित कर दिया था। भारत ने इस कदम के पीछे का मकसद पाकिस्तान के आतंक को समर्थन देना बताया है। सामुदायिक जल अधिकार और सिंधु जल संधि को स्थगित रखने की जरूरत विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ब्रुसेल्स स्थित साउथ एशिया डेमोक्रेटिक फोरम के रिसर्च डायरेक्टर सीगफ्राइड वुल्फ ने कहा कि भारत को 1960 की संधि की समीक्षा की मांग करने का पूरा अधिकार है। ये जायज है क्योंकि पाकिस्तान के व्यवहार ने संधि की प्रस्तावना में बताए गए समझौते के मकसद, उद्देश्य और भावना को कमजोर किया है।
वुल्फ ने इस संधि को भारत की तरफ से दी गई एक स्वैच्छिक रियायत बताया जो एक संरचनात्मक असंतुलन पर आधारित थी। उन्होंने पाकिस्तान के उस दावे को इंजीनियरिंग मिथक करार दिया, जिसमें उसने कहा है कि भारत नदियों के बहाव को रोक रहा है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी नदियों पर बनी भारतीय परियोजनाएं पानी की खपत नहीं करतीं और पानी को आगे भेजने से पहले बिजली पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद का अभियान भारत के विकास में देरी करने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे बदनाम करने और पानी के उस संकट से ध्यान भटकाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है, जो पूरी तरह से खुद पैदा किया गया है। इसकी जड़ें पंजाब के दबदबे, सामंती जमींदारी व्यवस्था, शहरी झुकाव और नहरों के खस्ताहाल बुनियादी ढांचे में हैं।
लंदन में रहने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ आजकिया ने कहा कि पानी का अधिकार एक बुनियादी मानवाधिकार है। इससे पाकिस्तान के सैन्य तंत्र ने सिंध को वंचित रखा है। सिंध में कोट्री के पास सिंधु नदी का बहाव ऊपर की ओर नहरों के जरिए पानी मोड़े जाने के कारण बहुत कम हो गया है। भारत में हुए बड़े आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का 65 साल पुराने समझौते को निलंबित करने का फैसला सही था।
एक भारतीय एनजीओ ने तर्क दिया कि इस क्षेत्र में पानी की सुरक्षा से जुड़ी बदलती स्थितियों को देखते हुए 1960

में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते का आज के मानवाधिकारों के नजरिए से फिर से मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
एनजीओ ने कहा कि सिंधु संधि लंबे समय से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक अहम उदाहरण होने के बावजूद छह दशक में पानी की सुरक्षा से जुड़े हालात बदल गए हैं। इसमें आबादी में बढ़ोतरी, जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के पीछे हटने, भूजल के कम होने और नदियों के बहाव में लगातार अनिश्चितता जैसे कारण हैं।

क्रिकेट स्टेडियम से आउटर रिंग रोड तिराहे तक सड़क सुदृढ़ीकरण में तेजी

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने किया स्थलीय निरीक्षण, गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था और प्रमुख क्षेत्रों के बीच सुगम संपर्क व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा महत्वपूर्ण मार्गों के सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में क्रिकेट स्टेडियम से आउटर रिंग रोड तिराहे तक करीब 900 मीटर लंबी और 45 मीटर चौड़ी सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इस कार्य पर करीब 5 करोड़ 60 लाख 99 हजार 777 रुपये खर्च किए जा रहे हैं और इसे लगभग तीन माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अधिकारियों के साथ मार्ग का निरीक्षण, तकनीकी मानकों के पालन पर जोर

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने मुख्य अभियंता, संबंधित अधिशासी अभियंता और अन्य अधिकारियों के साथ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए तथा कार्य को तय समय-सीमा में पूरा कराया जाए।

आउटर रिंग रोड और प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

यह मार्ग भविष्य में प्रस्तावित आउटर रिंग रोड से जुड़कर महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के रूप में विकसित होगा। इसके माध्यम से शहर के आंतरिक क्षेत्रों से आउटर रिंग रोड तक यातायात का सुगम आवागमन हो सकेगा। आउटर रिंग रोड से सटे प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तक भी इस मार्ग से बेहतर संपर्क उपलब्ध होगा। आउटर रिंग रोड विकसित होने के बाद बाहरी क्षेत्रों की ओर जाने वाले यातायात को मुख्य आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरने की आवश्यकता कम होगी, जिससे प्रमुख मार्गों पर यातायात दबाव घटाने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय विभाजक पर 45 लाख की लागत से लगेंगी स्ट्रीट लाइट

सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए केंद्रीय विभाजक पर करीब 45 लाख रुपये की लागत से पथ प्रकाश व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। इसके अलावा सड़क के दोनों ओर भी स्ट्रीट लाइट लगाने का प्रस्ताव है। इसके लिए आगणन तैयार किया जा रहा है और आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य कराया जाएगा। उपाध्यक्ष ने सभी कार्यों में आपसी समन्वय बनाए रखने और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मार्ग विकसित करने के निर्देश दिए।

आर्य कन्या इंटर कॉलेज में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के आर्य कन्या इंटर कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता तथा कचरा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या परमेश कुमारी ने छात्राओं को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के तहत कचरे का उचित वर्गीकरण, संग्रहण, प्रसंस्करण और निस्तारण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कचरे को गीला अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, स्वच्छता अपशिष्ट और विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट सहित अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। बड़े संस्थानों, आवासीय परिसरों, होटल, अस्पताल और विद्यालयों को अपने यहां उत्पन्न होने वाले कचरे के संग्रहण, प्रसंस्करण तथा उचित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन की निगरानी के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन व्यवस्था भी की गई है। छात्राओं को घर और विद्यालय में कचरे को अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार निर्धारित स्थान पर डालने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्या ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

निर्धारित समय में हो शिकायतों का निस्तारण, 50 में पांच का मौके पर समाधान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। तहसील खतौली में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। समाधान दिवस में कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों की आवश्यकता के अनुसार मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच की जाए। महिला अपराध से संबंधित शिकायतों की जांच प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

समाधान दिवस में बिजली, भूमि विवाद समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें पहुंचीं। इस दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और शिकायतकताओं को साइबर अपराध तथा साइबर ठगी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल संबंधित माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। समाधान दिवस में स्थानीय अधिकारियों के अलावा संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी ने कृषक उपहार योजना के अंतर्गत प्रगतिशील किसान रवि गर्ग को पंपिंग सेट प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने किसानों से उपलब्ध आधुनिक साधनों का उपयोग करते हुए खेती को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

इंदिरापुरम में जल्द आकार लेगा संस्कृत दर्शन पार्क, 14 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा से नई पीढ़ी को जोड़ने की पहल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय संस्कृति, सनातन ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा के गौरवशाली इतिहास को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप में आमजन तक पहुंचाने की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा इंदिरापुरम में विकसित किया जा रहा संस्कृत दर्शन पार्क अब अपने पूर्ण स्वरूप की ओर तेजी से बढ़ रहा है। करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे इस अनूठे पार्क के निर्माण एवं विकास कार्यों की प्राधिकरण अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों का जोर शेष कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा कराने पर है।

वेद, उपनिषद और भारतीय दर्शन की दिखेगी झलक

संस्कृत दर्शन पार्क को सामान्य उद्यान के बजाय ज्ञान, संस्कृति, प्रकृति और आधुनिकता के समन्वय वाले विशिष्ट सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां वेद, उपनिषद, महाकाव्य, भारतीय दर्शन और संस्कृत साहित्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को आकर्षक एवं रोचक ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विशेष रूप से बच्चों और युवाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा तथा संस्कृत भाषा के प्रति रुचि और जिज्ञासा विकसित करना है।

फव्वारे, जल संरचनाएं और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था होंगी आकर्षण

पार्क में विभिन्न विषयों पर आधारित विशेष संरचनाएं, संस्कृत के श्लोक एवं सूक्तियां, आकर्षक भू-दृश्यांकन, फव्वारे एवं जल संरचनाएं, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था तथा जनसुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इन सुविधाओं के माध्यम से लोगों को मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान परंपरा को जानने-समझने का अवसर मिलेगा।

अक्टूबर में आमजन के लिए खुलने की संभावना

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने कहा कि संस्कृत दर्शन पार्क को केवल एक उद्यान के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय वाले विशेष स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही है। प्रयास है कि शेष कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरे कराकर अक्टूबर में पार्क को आमजन के लिए उपलब्ध कराया जा सके।

जीडीए अधिकारियों द्वारा निर्माण स्थल का नियमित निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। पार्क शुरू होने के बाद गाजियाबाद के नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और पर्यटकों को ऐसा सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा, जहां आधुनिक वातावरण में भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और प्राचीन ज्ञान परंपरा से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में 22 शिकायतें पहुंचीं, दो का मौके पर निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे फरियादियों ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 22 शिकायती एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों और समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों का आवश्यकता के अनुसार स्थलीय सत्यापन और जांच कर निष्पक्षता के साथ निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा, तहसीलदार सदर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मिले 99 पदक

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उल्लेखनीय, सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से वर्ष 2025 और 2026 के उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा सम्मान पदक प्रदान किए गए हैं। परिक्षेत्र के पुलिसकर्मियों को कुल 99 पदक मिले हैं, जिनमें सात उत्कृष्ट सेवा सम्मान पदक और 92 अति उत्कृष्ट सेवा सम्मान पदक शामिल हैं।

पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने पदक और प्रशंसा चिह्न प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

उत्कृष्ट सेवा सम्मान पदक प्राप्त करने वालों में अपर पुलिस अधीक्षक बागपत प्रवीण सिंह चौहान, हापुड़ के उपनिरीक्षक लिपिक दीपक चंद, मुख्य आरक्षी मितेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी शांतनु मलिक, बुलंदशहर के मुख्य आरक्षी लोकेश कुमार, आरक्षी चालक रविंद्र तथा मेरठ के आरक्षी चालक नेत्रपाल तेवतिया शामिल हैं। अति उत्कृष्ट सेवा सम्मान पदक से मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर और बागपत जनपदों में तैनात कुल 92 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मानित हुए। इनमें उपनिरीक्षक, निरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी तथा चालक संवर्ग के पुलिसकर्मी शामिल हैं। मेरठ जनपद के पुलिसकर्मियों की संख्या इस सूची में उल्लेखनीय है। पदक प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किए जाने से पुलिस विभाग में उत्साह का माहौल है।

शामली जिले की तीनों तहसीलों में 127 शिकायतें पहुंचीं, आठ का मौके पर निस्तारण

शामली (शिखर समाचार)। जिले की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किए गए। ऊन तहसील में जिलाधिकारी आलोक यादव, शामली तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येन्द्र सिंह तथा कैराना तहसील में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। तीनों तहसीलों में कुल 127 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से आठ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए।

ऊन तहसील में 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी आलोक यादव ने भूमि संबंधी मामलों में संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए विशेष जनसेवा शिविर भी लगाया गया। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने को कहा।

शामली तहसील में 64 शिकायतें पहुंचीं, जिनमें तीन का मौके पर समाधान हुआ। अपर जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने अधिकारियों को शेष शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

कैराना तहसील में 31 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें दो का मौके पर निस्तारण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए समय से निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। तीनों स्थानों पर संबंधित उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिजनौर में अतिक्रमण पर पालिका का बड़ा अभियान, डेढ़ दर्जन से अधिक अवैध कब्जे हटाए

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर में यातायात और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बिजनौर ने शनिवार को बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नगर पालिका चौराहे से लेकर रोडवेज बस स्टैंड तक चलाए गए अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से कब्जा करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। कार्रवाई के दौरान डेढ़ दर्जन से अधिक अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए, जबकि सड़क तक सामान फैलाकर रखने वाले दुकानदारों का सामान नगर पालिका टीम ने कब्जे में ले लिया। जिला प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने जेसीबी की सहायता से सड़क किनारे अवैध रूप से बनाए गए टिनशेड, काउंटर और अन्य अस्थायी निर्माण ध्वस्त करा दिए। कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैला रखा था, जिसे टीम ने जब्त कर लिया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि सार्वजनिक सड़क और स्थान पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न किया जाए, क्योंकि इससे यातायात प्रभावित होने के साथ आम लोगों को भी परेशानी होती है। अभियान का नेतृत्व कर रहे नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह ने कहा कि नगर को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाने तक अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों को सड़क पर सामान न फैलाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान नगर पालिका के अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा, अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार, सफाई विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

आज से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज, मां तुझे प्रणाम से होगी शुरूआत

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कृषि, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी के अंतर्गत रविवार से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नया दौर शुरू होगा। इंदिरा बाल भवन के प्रांगण में 20 से 28 सितंबर 2026 तक विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव संख्या-06, दिनांक 25 जुलाई 2026 के क्रम में अध्यक्षों और संयोजकों की नियुक्तियां भी कर दी गई हैं। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह ने नियुक्त सभी संयोजकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने कार्यक्रमों से संबंधित अध्यक्षों से संपर्क कर निर्धारित तिथि पर कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कार्यक्रम में अनैतिक, अश्लील अथवा धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। आयोजन के दौरान निर्धारित नियमों और मयार्दाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत 20 सितंबर रविवार को देशभक्ति कार्यक्रम ह्यमां तुझे प्रणामह्व से होगी। इसके बाद 21 सितंबर सोमवार को कव्वाली, 22 सितंबर मंगलवार को गजल रात्रि, 23 सितंबर बुधवार को मुशायरा तथा 24 सितंबर गुरुवार को कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शनी के अंतर्गत आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में संगीत, साहित्य, कविता और देशभक्ति की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है तथा आयोजकों ने निर्धारित तिथियों पर कार्यक्रमों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रामपाल सिंह, ईओ , नगर पालिका परिषद, बिजनौर

चोक नालियां, खराब सड़कें और अंधेरे पार्क, एम ब्लाक के लोग परेशान

हापुड़ (शिखर समाचार)। आनंद विहार के एम ब्लाक में बदहाल व्यवस्थाओं के चलते क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क, सफाई, जल निकासी, प्रकाश और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर शनिवार को लोगों ने हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से शिकायत की और ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। क्षेत्रवासियों ने बताया कि एम ब्लाक की कई सड़कें बदहाल स्थिति में हैं। जगह-जगह घास उगने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण रात में कई रास्ते अंधेरे में डूब जाते हैं। पेड़ों की छंटाई नहीं होने से उनकी शाखाएं रास्तों तक फैल गई हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई बार अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। क्षेत्रवासियों के अनुसार कई स्थानों पर नालियां और सीवर चोक हैं। इससे जल निकासी बाधित होने के साथ गंदगी की समस्या भी बनी हुई है। पार्कों में भी पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से शाम होते ही अंधेरा छा जाता है और लोगों को सुरक्षा की चिंता रहती है। उनका कहना है कि सुरक्षा कर्मी दिन में मौजूद रहता है, जबकि रात में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। लोगों ने खाली पड़े प्लाटों के मालिकों को नोटिस जारी कर सफाई कराने, हरित पट्टी के आसपास चारदीवारी बनवाने और पेड़ों की छंटाई कराने की मांग की। साथ ही सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त कराने, पार्कों में प्रकाश व्यवस्था सुधारने तथा चोक नालियों और सीवर की सफाई कराने की मांग रखी। ज्ञापन देने वालों में अजय, दर्शन, दिनेश कुमार, देवेंद्र शर्मा, अमित, प्रमोद, सुबोध कांत और विकास सहित कई क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

चलती बाइक में लगी भीषण आग, सवार ने कूदकर बचाई जान

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर चलती बाइक में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। बाइक से आग की लपटें उठती देख सवार ने तत्काल बाइक से छलांग लगा दी और अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक हाईवे पर सामान्य गति से जा रही थी। इसी दौरान अचानक बाइक में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। आग लगने का पता चलते ही बाइक सवार ने बिना देर किए वाहन से छलांग लगा दी। हादसे में उसके सुरक्षित बचने की जानकारी है। बाइक धू-धूकर जलने लगी, जिससे हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मौके पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। बाइक में आग लगने के कारण का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर घटना को वाहन में अचानक आग लगने से जोड़कर देखा जा रहा है। घटना के कारण हाईवे पर कुछ देर तक लोगों की आवाजाही भी प्रभावित रही।

संक्षिप्त समाचार

हर हाल में 15 अक्टूबर तक पूरा करें महिला शरणालय और किशोर गृह का बचे काम

गोरखपुर , एजेंसी। कमिश्नर इंद्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को चरगावां में निर्माणाधीन राजकीय महिला शरणालय और राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर)/किशोर न्याय बोर्ड का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए सभी अवशेष कार्य 15 अक्तूबर तक हर हाल में पूरा कराने के निर्देश दिए। महिला शरणालय के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं जबकि फिनिशिंग का काम चल रहा है। बाह्य विकास के कार्य अभी बाकी हैं। निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता को लेकर कमिश्नर ने नाराजगी जताई। उन्होंने यूपीआरएनएसएस प्रथम, गोरखपुर के अधिशासी अभियंता को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। परिसर के खाली स्थानों में पौधरोपण और घास लगाने के साथ बाह्य विकास कार्य बेहतर ढंग से कराने को कहा। इसके बाद कमिश्नर ने निर्माणाधीन राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) और किशोर न्याय बोर्ड न्यायालय का निरीक्षण किया। मुख्य भवन समेत अन्य कार्य लगभग पूरे मिले। यहां निर्माण कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। उन्होंने मौके पर मौजूद सीएंडडीएस यूनिट-14 के प्रोजेक्ट मैनेजर को डिजाइन के अनुरूप बाह्य विकास कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर के खाली स्थानों को सुंदर और व्यवस्थित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्थाओं के अभियंता और फर्म के ठेकेदार मौजूद रहे।

प्राचीन भारत में लोकतंत्र की जड़ें, सभा-समिति से जनभागीदारी तक

गोरखपुर , एजेंसी। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 'प्राचीन भारत में लोकतंत्र' विषय पर शुक्रवार को व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के राजनीति विज्ञान विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. रिपुसूदन सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक विचार और संस्थाओं की जड़ें केवल आधुनिक काल में नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय परंपरा में भी रही हैं। सभा, समिति, गण और संघ जैसी संस्थाओं में परामर्श और जनभागीदारी के तत्व दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में समझने के लिए केवल चुनाव प्रक्रिया देखना पर्याप्त नहीं है। स्वतंत्र विचार, असहमति का सम्मान, संवाद, सहिष्णुता और जनसहभागिता लोकतंत्र के मूल आधार हैं। प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों और गणराज्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा की विविधता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय लोकतांत्रिक चेतना राजनीतिक संस्थाओं तक सीमित नहीं रही। संवाद, सहिष्णुता, परस्पर सम्मान और लोक कल्याण भारतीय जीवन-पद्धति के महत्वपूर्ण आधार रहे हैं। संचालन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया। संयोजक डॉ. विवेक शाही ने आभार जताया। अतिथि परिचय डॉ. इंद्रेश कुमार ने कराया। इस दौरान डॉ. आरपी यादव, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, डॉ. अखिल श्रीवास्तव, डॉ. सुनील सिंह, श्वेता सिंह समेत शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर पर कैमरे की निगरानी में दवा बिक्री का विरोध,

आगरा , एजेंसी। रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन ने सरकार के मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में दवाओं की बिक्री करने के ड्राफ्ट का विरोध किया है। इसके लिए दिल्ली गेट स्थित कार्यालय पर बैठक कर ड्राफ्ट पर चर्चा की गई। इसकी अनिवार्यता करने पर प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट ने बताया कि भारत सरकार ने ड्राफ्ट रूल बनाकर तीस दिन में सुझाव मांगे हैं। इसमें फुटकर मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करेगी। इसकी निगरानी में ही दवाओं की बिक्री की जाएगी। इससे नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री बिना पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे के बिक्री को रोका जा सके। इससे देहात के विक्रेताओं पर असर पड़ेगा। बिजली तकनीकी दिक्कत से जूझना पड़ेगा। सरकार इसकी अनिवार्यता न करे। इसके लिए सुझाव भी भेज रहे हैं। बैठक में महामंत्री राजीव शर्मा, संस्थापक श्याम तिवारी, कोषाध्यक्ष सतीश पाठक, प्रेम सिंह राजावत, वीरबहादुर सिंह आदि मौजूद रहे।

36 सड़क परियोजनाओं को 3095 करोड़ से अधिक की मंजूरी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कराए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में हुई व्यय वित्त समिति की दो बैठकों में 36 सड़क परियोजनाओं के लिए 3095 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। लोक निर्माण विभाग अब इन परियोजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहा है। स्वीकृत सड़क परियोजनाओं की लागत 25 करोड़ से लेकर 665 करोड़ रुपये तक है। इनमें जिन परियोजनाओं की लागत 200 करोड़ रुपये से अधिक है, उन्हें अब कैबिनेट की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। 10 सितंबर को हुई बैठक में पीडब्ल्यूडी की 21 सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इनमें सीतापुर की दो, मीरजापुर की एक, देवरिया की दो, महाराजगंज की एक, सोनभद्र की पांच, बांदा की एक, वाराणसी की एक, चित्रकूट की दो, झांसी की एक, लखनऊ की दो, लखीमपुर खीरी की एक और संभल की एक सड़क परियोजना शामिल है। वहीं, 17 सितंबर की बैठक में गोरखपुर की तीन, गोंडा की छह, एटा, सीतापुर, सोनभद्र और देवरिया की एक-एक तथा वाराणसी की दो सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक में सड़क परियोजनाओं के अलावा मेडिसिन स्टोर और कूलिंग रूम सहित चार पशु चिकित्सालय, एक ब्लॉक स्तरीय पशु चिकित्सालय और एक प्राथमिक पशु चिकित्सालय के निर्माण को भी वित्तीय स्वीकृति दी गई।

आजादी के 79 साल बाद भी अंधेरे में 50 खरवार परिवार

बिजली के खंभे पहुंचे तो वन विभाग की रोक से थमा काम

वाराणसी, एजेंसी। चंदौली जिले के नौगढ़ क्षेत्र में आजादी के 79 साल बाद भी ग्रामीणों को बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। चिकनी ग्राम पंचायत के ओरवाटांड़ पुरवा में रहने वाले करीब 40-50 खरवार परिवार आज भी विद्युत सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीण वर्ष 2021 से गांव में विद्युतीकरण कराने की मांग को लेकर अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। करीब 15 दिन पहले बिजली विभाग की ओर से गांव में विद्युतीकरण के लिए लगभग 50 खंभे गिराए जाने के बाद ग्रामीणों में अपने घर रोशन होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन वन विभाग की आपत्ति के बाद काम फिर रुक गया।

खंभे पहुंचे तो ग्रामीणों को जगी थी उम्मीद : ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से बिजली की समस्या से जूझ रहे परिवारों को उस समय राहत की उम्मीद दिखाई दी, जब करीब 15 दिन पहले बिजली विभाग ने गांव में लगाने के लिए लगभग 50 खंभे पहुंचाए। ग्रामीणों को लगा कि अब जल्द ही बिजली के तार खिंचेंगे और उनके घर भी रोशनी से जगमगाने लगेंगे। हालांकि, विद्युतीकरण का काम आगे बढ़ने से पहले ही वन विभाग की ओर से रोक लगाए जाने की बात सामने आई है। इससे ग्रामीणों की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

कच्चे रास्ते को लेकर ग्रामीणों का दावा : ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की रोक के कारण विद्युतीकरण का कार्य अधर में लटक गया है। ग्रामीणों का दावा है कि जिस स्थान पर बिजली के खंभे लगाए जाने हैं, वहां पहले से ही करीब 20 फीट चौड़ा कच्चा रास्ता मौजूद है। ऐसे में उनका कहना है कि रास्ते के किनारे बिजली के खंभे लगाने में आ रही आपत्ति का समाधान किया जाना चाहिए, ताकि लंबे समय से लंबित विद्युतीकरण का काम पूरा हो सके।

ग्राम प्रधान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण : विद्युतीकरण का कार्य जल्द शुरू कराने की मांग को लेकर ग्राम प्रधान संतराम के नेतृत्व में ग्रामीण जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने मांग की कि वन विभाग की आपत्ति को दूर कराकर गांव में विद्युतीकरण का कार्य जल्द शुरू कराया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के अभाव में उन्हें रोजमर्रा की कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घरेलू कार्यों तक में दिक्कत होती है। लंबे समय से अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। खंभे पहुंचने के बाद उन्हें लगा था कि अब समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन काम रुकने से निराशा हाथ लगी है।

डीएम से जल्द समाधान की मांग : ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप करते हुए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर विद्युतीकरण कार्य शुरू कराने की मांग की। उनका कहना है कि बुनियादी विद्युत सुविधा से वंचित परिवारों को जल्द राहत मिलनी चाहिए, ताकि उनके घरों में भी बिजली पहुंच सके। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन वन विभाग की आपत्ति और विद्युतीकरण से जुड़े अन्य अड़चनों का समाधान कराकर काम को जल्द आगे बढ़ाएगा।

'35-40 परिवारों ने 80 करोड़ को गरीब बनाया', शिव खेड़ा बोले- भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने किया आंदोलन

कानपुर। कानपुर मे विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा ने कहा कि जेन-जी का आंदोलन चोरी, बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ है। जेन-जी और करता ही क्या क्योंकि 10-15 साल से पेपर ही लीक हो रहे हैं। दफ्तर में जाने पर इंसाफ नहीं मिलता है। ऐसे में क्या करें जेन-जी... क्या मार खाते रहें। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने आए शिव खेड़ा ने मीडिया से यह भी कहा, कुछ लोग कहते हैं आंदोलन करने वाले जेन-जी नहीं, दूसरे वाले हैं।

मेरे बच्चे जेन-जी हैं, उनके साथ मैं भी हूं और पड़ोसी भी। सब देश के लिए खड़े हैं। नेपाल में भी जेन-जी ने हक के लिए लड़ाई लड़ी। भगवान राम ने भी अपने परिवार की इज्जत के लिए युद्ध किया। बेहद आक्रामक नजर आ रहे शिव खेड़ा ने सख्त लहजे में कहा कि देश के 35-40 परिवारों ने 80 करोड़ लोगों को गरीब और भिखारी बना रखा है। सिर्फ एक आदमी ऊपर ईमानदार हो जाएगा, तो पूरा देश दो मिनट में ठीक हो जाएगा।

बंटने के खिलाफ नारा देने वाले ही लोगों को बांट रहे : देश इंसाफ चाहता है, खैरात नहीं। पहले जिनकी औकात 10 रुपये की नहीं थी, वे 10

साल में 10 हजार करोड़ लेकर आ गए हैं। राम मंदिर में लूट हो रही है, ये क्या तमाशा है। आरक्षण के सवाल पर वे बोले कि बंटवारे की राजनीति चल रही है। बंटने के खिलाफ नारा देने वाले ही लोगों को बांट रहे हैं। हम बस या ट्रेन में बैठते हैं, तो पास के यात्री से जाति नहीं पूछते हैं।

प्रिपेयर देम डोंट रिपेयर देम : कहा कि राजस्थान में 1999 में जाटों को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की बात कहकर चुनाव जीत लिया जाता है और आज तक जाट पिछड़ा वर्ग में नहीं हुआ। एआई के सवाल पर जवाब दिया कि टेक्नोलॉजी और टेक्नीशियन बदलते रहेंगे। आज एआई है कल बीआई, सीआई और डीआई होगा। हमने आगे आने वाली पीढ़ी के लिए प्रोग्राम बनाया है कि प्रिपेयर देम डोंट रिपेयर देम।

देश में 3.16 करोड़ उपभोक्ताओं को सिलिंडर की सप्लाई बंद, सरकार के आदेश

आगरा , एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलिंडर का दुरुपयोग रोकने के लिए केंद्र सरकार ने बायोमेट्रिक आधार सत्यापन पर कड़ा रुख अपनाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नए निर्देशों के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने तय समय-सीमा तक अपनी बायोमेट्रिक पहचान प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उनके गैस सिलिंडर की रिफिल बुकिंग तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है।

जिले में लगभग 84 हजार ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन्होंने बार-बार अवसर देने के बावजूद अब तक अपनी पहचान का सत्यापन नहीं कराया है। मंत्रालय ने कंपनियों को पत्र भेजकर निर्देश दिए हैं कि 14 सितंबर की अंतिम तिथि के बाद भी देशभर में आगरा समेत करीब 3.16 करोड़ उपभोक्ताओं का सत्यापन लंबित है। बिना सत्यापन वाले उपभोक्ताओं की सब्सिडी तो 1 जुलाई से ही रोक दी गई थी, लेकिन वह अभी भी रियायती दरों पर सिलिंडर प्राप्त कर रहे थे।

ऐसे में सार्वजनिक धन के सही उपयोग को ध्यान में रखते हुए अब सभी कनेक्शनों से सिलिंडर की आपूर्ति पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। मंत्रालय ने सभी तेल कंपनियों को 15

दिनों के भीतर इन नियमों को अपनी व्यवस्था में लागू कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं।

ऐसे दोबारा चालू हो सकेगा कनेक्शन

बायोमेट्रिक सत्यापन पूरा कराना : उपभोक्ता अपनी संबंधित गैस एजेंसी पर जाकर या कंपनी के डिजिटल पोर्टल/एप के माध्यम से बायोमेट्रिक सत्यापन करा सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होते ही कनेक्शन चालू हो जाएगा और रियायती दर पर सिलिंडर मिलने लगेगा।

बाजार मूल्य पर सिलिंडर लेना : जो उपभोक्ता सत्यापन नहीं कराना चाहते, उन्हें कंपनी के डिजिटल मंच पर यह स्व-घोषणा करनी होगी कि वे बिना किसी सरकारी सहायता के बाजार मूल्य पर ही रिफिल लेंगे। इसके बाद उनका कनेक्शन चालू कर दिया जाएगा।

मंत्रालय से जारी कोई निर्देश अभी प्राप्त नहीं हुआ है। कंपनियां अपने स्तर से कोई कदम उठा रही हैं तो उसके बारे में पता करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। -आनंद कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी

मंत्रालय ने तेल कंपनियों को निर्देश जारी किए हैं, उनका पालन किया जाएगा। सभी लोगों से अपील है कि जल्द से जल्द ई-केवाईसी करा लें। -विपुल पुरोहित, अध्यक्ष ऑल इंडिया इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन

तीनों तहसीलों में 180 शिकायतें पहुंचीं, 14 का मौके पर निस्तारण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शासन के निर्देशों के क्रम में माह के प्रथम और तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के तहत शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में जनसमस्याएं सुनी गईं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में आयोजित समाधान दिवस में कुल 180 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर निस्तारण कराया।

सदर तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 54 शिकायतें प्राप्त हुईं और सात का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सहित राजस्व, पुलिस, नगर निकाय और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को निर्धारित समय में कार्रवाई के निर्देश दिए।

लोनी तहसील में संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में समाधान दिवस हुआ। यहां 30 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर समाधान कराया गया। संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे तथा शिकायतों के निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

मोदीनगर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ज्योति मौर्या की अध्यक्षता और उप जिलाधिकारी कोमल पंवार की उपस्थिति में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां सर्वाधिक 96 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर निस्तारण कराया गया। इस दौरान राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन की ओर से अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

अपने मसालों से बढ़ा रहीं असम की चाय की चुस्की

अलीगढ़ , एजेंसी। टप्पल ब्लॉक के गांव जहानगढ़ की रीनेश देवी ने आत्मनिर्भर बनने के लिए चाय की पत्ती को ही रोजगार का जरिया बना लिया। असम की चाय में वह अपने मसालों का स्वाद घोल रही हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने करीब डेढ़ माह पहले जीवन ज्योति चांद सूरज स्वयं सहायता समूह के नाम से चाय पत्ती तैयार करने का काम शुरू किया। असम से मंगाई गई चाय की पत्ती में अपने स्तर पर तैयार मसालों का मिश्रण कर वह अलग स्वाद वाली चाय बाजार में उतार रही हैं।

खास बात यह है कि उनके इस छोटे से कारोबार से गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार मिला है। रीनेश देवी असम से चाय की पत्ती मंगाती हैं। इसके बाद उसमें इलायची, अदरक और तुलसी के पत्तों का मिश्रण किया जाता है।

70वीं प्रदेशीय विद्यालयी कुराश, भारोत्तोलन और जूडो प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, पहले कुराश मुकाबले में प्रयागराज की सन्नो विजयी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। 70वीं प्रदेशीय विद्यालयी कुराश, भारोत्तोलन एवं जूडो प्रतियोगिता बालक-बालिका, सत्र 2026-27 का भव्य शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर 14 वर्ष आयु वर्ग के 24 किलोग्राम भार वर्ग में सहारनपुर की साधना और प्रयागराज की सन्नो के बीच कुराश मुकाबला कराया गया, जिसमें सन्नो ने जीत दर्ज की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं स्वस्ति वाचन के साथ हुआ। संयुक्त शिक्षा निदेशक राणा सहस्त्रांशु कुमार सुमन ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह का पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमाला से स्वागत किया। जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरन यादव और जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय

हर्षदेव स्वामी ने विशिष्ट अतिथि राजीव गुम्बर का स्वागत किया। महापौर डॉ. अजय कुमार समेत अन्य अतिथियों और प्रधानाचार्यों का भी अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। दिगंबर जैन कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, इंडियन मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत, हिंदू कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने शिव तांडव तथा केसीसीपी गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने प्रतियोगिता की रूपरेखा बताई और अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में पौधे भेंट कर आभार जताया। प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों से आए बालक-बालिकाएं कुराश, भारोत्तोलन और जूडो में प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

गन्ना भुगतान के ब्याज का वर्षवार रिकॉर्ड मांग रहे किसान, धरना जारी

शामली (शिखर समाचार)। किसान एकता संघर्ष समिति के पदाधिकारियों और किसानों का गन्ना समिति कार्यालय पर शनिवार को भी धरना जारी रहा। किसानों ने 14 दिन से अधिक देरी से किए गए गन्ना मूल्य भुगतान पर देय ब्याज का वर्षवार विवरण उपलब्ध कराने के साथ थानाभवन चीनी मिल से किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराने की मांग उठाई।

धरने को संबोधित करते हुए किसानों ने कहा कि सरकार की सट्टा नीति के तहत किसान गन्ना समितियों के माध्यम से चीनी मिलों को गन्ने की आपूर्ति करते हैं, लेकिन कई बार निर्धारित 14 दिन की अवधि में भुगतान नहीं किया जाता। किसानों ने दावा किया कि 16

जुलाई 2026 के उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार वर्ष 1996-97 से पेराई सत्र 2025-26 तक 14 दिन से अधिक देरी से किए गए गन्ना मूल्य भुगतान पर 15 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाना है। किसानों के अनुसार, 20 अगस्त को बड़ी संख्या में किसान विलंबित भुगतान के ब्याज का वर्षवार रिकॉर्ड लेने जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय पहुंचे थे। वहां प्रार्थना पत्र देकर रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की गई थी और 31 अगस्त तक रिकॉर्ड देने का आश्वासन मिला था, लेकिन निर्धारित तिथि तक रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद पांच सितंबर को ज्ञापन देकर दोबारा मांग उठाई गई। मांग पूरी नहीं होने पर सात सितंबर से शामली गन्ना समिति कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना दिया जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि बजाज शुगर मिल थानाभवन पर करीब 90 करोड़ रुपये का मूल गन्ना मूल्य भुगतान बकाया है। उन्होंने बकाया भुगतान जल्द कराने तथा विलंबित भुगतान पर देय ब्याज का वर्षवार रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की। धरने में परमवीर शास्त्री, सुकर्मपाल, विनय कुमार, सतीश कुमार और शौराम सिंह मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 170 शिकायतें पहुंचीं, सात का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 170 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से सात शिकायतों का संबंधित अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। दादरी तहसील में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां सर्वाधिक 128 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से सात का मौके पर ही समाधान कराया गया। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी दादरी अभिनेंद्र सिंह, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नेहा सिंह, तहसीलदार दादरी कृष्ण कुमार कौशिक सहित संबंधित विभागों के

अधिकारी मौजूद रहे। इसी क्रम में सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पांडेय की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां चार शिकायतें प्राप्त हुईं। वहीं, जेवर तहसील में उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें 38 शिकायतें दर्ज की गईं।

अधिकारियों ने निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतकर्ता को कार्रवाई से अवगत कराने पर भी जोर दिया गया।

डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन में फ्रेशर्स पार्टी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, कविता और रैंप वॉक से दिखाई प्रतिभा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत में शनिवार को फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। रंगारंग कार्यक्रमों के चलते पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में ग्लिट्ज एंड ग्लैम, सेंटर फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट में रेट्रो फिएस्टा, डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में अभ्युदय तथा गिन्नी देवी मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में आरम्भ नाम से फ्रेशर्स पार्टी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, कविता, रैंप वॉक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर का चुनाव रहा। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, प्रतिभा और मंच पर प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजेताओं के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रमों में फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक प्रो. दीपांकर शर्मा और संबंधित संस्थानों के निदेशक मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। फाउंडेशन के रजिस्ट्रार यू.एन. मिश्रा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षा के साथ अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास को सफलता का आधार बताया। फाउंडेशन के चेयरमैन प्रो. डॉ. डी.के. मोदी ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और संस्थान का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को एक-दूसरे से परिचित होने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में 121 शिकायतें पहुंचीं, 21 का मौके पर निस्तारण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 21 का संबंधित अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कराया। हापुड़ तहसील में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस से पूर्व हापुड़ तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कर उन्हें फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां और पोषण किट प्रदान कीं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने महिलाओं को संतुलित आहार तथा प्रसव पूर्व देखभाल की जानकारी दी। हापुड़ तहसील में 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से आठ का मौके पर निस्तारण कराया गया। इनमें खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, मारपीट, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत और पेयजल से संबंधित शिकायतें शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का पोर्टल पर अनिवार्य अंकन कर समयबद्ध निस्तारण करने तथा शिकायतकर्ता को फोन पर भी कार्रवाई की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि विवादों में राजस्व और पुलिस विभाग को समन्वय से कार्रवाई करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

धौलाना तहसील में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा के समक्ष 31 शिकायतें पहुंचीं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण हुआ। वहीं, गढ़मुक्तेश्वर तहसील में अपर जिलाधिकारी के समक्ष 35 शिकायतें प्राप्त हुईं और 10 का मौके पर समाधान कराया गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा की समकालीन प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय सेमिनार में हुआ मंथन

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन वैश्विक संकटः नैतिक मूल्यों के आधार पर समाधान की संभावनाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन हुआ। सेमिनार में भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता तथा वैश्विक, सामाजिक, नैतिक और तकनीकी चुनौतियों के समाधान की संभावनाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। आयोजन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, स्कूल ऑफ पॉलिटिकल साइंस तथा चमन लाल महाविद्यालय, हरिद्वार के राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता मुख्य अतिथि प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की समकालीन उपयोगिता और वर्तमान समय में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता पर विचार रखे। उन्होंने ज्ञान और समाज के संबंध को रेखांकित करते हुए समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में

भारतीय चिंतन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. विमला वाई ने भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा, शोध और सामाजिक जीवन से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा, मानवीय मूल्य, सामाजिक उत्तरदायित्व, आध्यात्मिक चिंतन, मानव सुरक्षा और आधुनिक तकनीक जैसे विषयों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को केवल अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि वर्तमान चुनौतियों से निपटने में उपयोगी जीवन-दृष्टि के रूप में भी देखा जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अपूर्वा ने किया, जबकि तकनीकी सत्रों का समेकित प्रतिवेदन डॉ. मितिका ने प्रस्तुत किया। समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। चार वर्षीय अरविका सिंह ने संस्कृत श्लोकों का सुंदर पाठ प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुति ने भारतीय ज्ञान परंपरा के पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रो. ममता सिंह, प्रो. ममता सिंघल, प्रो. विनोद कुमार, वित्त अधिकारी सूरज कुमार, डॉ. विजय प्रताप सिंह, डॉ. निशु कुमार, पारुल, वर्षा, पूजा, डॉ. अंकिता और डॉ. प्रतिभा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सारा गांव के रास्ते के चौड़ीकरण की मांग, 24 फीट सड़क के लिए तहसील दिवस पहुंचे ग्रामीण

मोदीनगर (शिखर समाचार)। सारा गांव के रास्ते को 24 फीट चौड़ा कराने की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील दिवस में पहुंचे और उप जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या रखी। ग्रामीणों ने कहा कि विवेकानंद चौक से सारा गांव तक जाने वाले मार्ग के कई हिस्से बेहद संकरे हैं, जिसके कारण आए दिन जाम और आवागमन में परेशानी होती है। ग्रामीण इस संबंध में पहले भी कई बार तहसील दिवस में शिकायत करने के साथ धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार मस्जिद के आसपास रास्ता अधिक संकरा होने के कारण एक वाहन के रुकते ही जाम की स्थिति बन जाती है। आगामी गन्ना पेराई सत्र में बैलगाड़ियों और ट्रॉलियों की आवाजाही बढ़ने पर समस्या और गंभीर होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में उप जिलाधिकारी के साथ हुई बैठक में मार्ग को 24 फीट चौड़ा करने पर सहमति बनी थी। उस समय रास्ते में बनी पैड़ियां हटाने और अतिक्रमण समाप्त कर निर्धारित चौड़ाई सुनिश्चित करने की बात कही गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि मार्ग के कुछ हिस्से में निर्माण कराया गया, लेकिन सबसे संकरे स्थानों पर अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उनका कहना है कि कहीं रास्ता करीब 22 फीट, कहीं 20 फीट और कुछ स्थानों पर इससे भी कम चौड़ा है। मकानों के बाहर बनी पैड़ियों के कारण भी मार्ग की चौड़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने मांग पूरी नहीं होने पर दोबारा धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। उप जिलाधिकारी ने बताया कि नायब तहसीलदार और नगर पालिका की टीम गठित की गई है। टीम मौके पर पहुंचकर रास्ते की वास्तविक स्थिति और चौड़ाई की जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाले के निर्माण को लेकर सभासद और कॉलोनीवासियों में भिड़ंत, दोनों पक्षों ने लगाए आरोप

शामली (शिखर समाचार)। शहर के कौशाम्बी विहार में जल निकासी और नाले के निर्माण को लेकर शनिवार को नगर पालिका सभासद और कॉलोनीवासियों के बीच विवाद हो गया। नगर पालिका परिसर में चेयरमैन की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया। घटना के बाद सभासद और कॉलोनीवासियों ने एक-दूसरे पर मारपीट, अभद्रता सहित अन्य आरोप लगाते हुए पुलिस को अलग-अलग तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वार्ड-16 के सभासद अनिल कुमार उपाध्याय का आरोप है कि वह सुबह करीब 11 बजे कौशाम्बी विहार की जल निकासी समस्या के समाधान को लेकर नगर पालिका के ठेकेदारों और अन्य लोगों से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान चेयरमैन कुछ महिला और पुरुषों के साथ वहां पहुंचे। सभासद के अनुसार उन्होंने जल निकासी की पूरी समस्या का समाधान कराने की मांग रखी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां से निकलते समय कुछ लोगों को उन्हें रोकने और हमला करने के लिए उकसाया गया। इसके बाद कोतवाली गेट के पास उनके साथ मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। उन्होंने चेयरमैन सहित अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई तथा घटनास्थल और कोतवाली के आसपास की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग की। वहीं, कॉलोनीवासियों ने सभासद पर निर्माण कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज, अभद्रता और महिलाओं से हाथापाई के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि करीब दो वर्ष से जलभराव की समस्या बनी हुई थी और शिकायत के बाद नाले व सड़क का निर्माण शुरू कराया गया था। पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर, उपलब्ध वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

बिना वैध प्रदूषण प्रमाण-पत्र वाले वाहनों को एक अक्टूबर से नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक अक्टूबर 2026 से बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों को पेट्रोल और डीजल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल ने बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निदेर्शों के तहत यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जनपद के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों पर आने वाले वाहनों की मोबाइल ऐप के माध्यम से जांच की जाएगी। जांच के दौरान वाहन के प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र की वैधता की जानकारी परिवहन विभाग के साथ साझा की जाएगी। अभियान के तहत पेट्रोल पंप संचालकों ने अपने कर्मचारियों के मोबाइल फोन में संबंधित ऐप डाउनलोड कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि एक अक्टूबर से ऐसे वाहन स्वामियों को ईंधन की आपूर्ति नहीं की जाएगी, जिनके वाहनों का वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र नहीं होगा। पंपों

पर वाहनों की जांच मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने जनपद के सभी वाहन स्वामियों और चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के प्रदूषण प्रमाण-पत्र की वैधता समय रहते जांचकर उसे अद्यतन करा लें, ताकि ईंधन लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रशासन ने वाहन स्वामियों से नियमों का पालन करने और प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पश्चिम प्रवास की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवास एवं स्वागत कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को कवि नगर स्थित जानकी भवन में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री एवं क्षेत्रीय प्रभारी राम प्रताप चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान प्रस्तावित स्वागत कार्यक्रम और संगठनात्मक बैठकों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, संगठनात्मक दायित्वों और कार्यकताओं की सहभागिता को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। महानगर अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अपने अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल, सदर विधायक संजीव शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, अजय शर्मा, अमरदत शर्मा, महानगर महामंत्री प्रदीप चौहान, गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, महानगर उपाध्यक्ष रनीता सिंह, सचिन डेढ़ा, विनोद कसाना, आशीष चौधरी, नीरज शर्मा और प्रीति चंद्र राय सहित सभी मंडलों के अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फौजी की मौत पर निकाली अंतिम यात्रा, परिजनों ने जताया संदेह और जांच की मांग

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव चौरोली निवासी फौजी ललित कुमार की शुक्रवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। शनिवार को गांव में उनके शव की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। वहीं, परिजनों ने फौजी की अचानक हुई मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से मामले की जांच कराने की मांग की है। परिजनों के अनुसार ललित कुमार भारतीय सेना में तैनात थे और वर्तमान में उनकी ड्यूटी जम्मू-कश्मीर में थी। वह अपनी पत्नी के साथ बुलंदशहर में रह रहे थे। करीब दो सप्ताह पहले वह 25 दिन की छुट्टी लेकर बुलंदशहर आए थे। उनकी छुट्टी के करीब 10 दिन अभी शेष थे। परिजनों के मुताबिक दो दिन पहले उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। वहां अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद

उन्हें तत्काल मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। फौजी की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शुक्रवार रात उनका शव जेवर स्थित गांव चौरोली लाया गया। शनिवार को अलीगढ़ रोड से गांव तक उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिचित और परिवार के लोग शामिल हुए। इसके बाद गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों ने ललित कुमार की अचानक हुई मौत को लेकर संदेह जताते हुए पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। परिवार का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

ट्यूबवेलों से चोरी किए पांच लाख के मोटर और अन्य सामान बरामद, एक गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली पुलिस ने सैंथली की मंडैया तिराहे के पास जांच के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर करीब पांच लाख रुपये कीमत का चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद सामान में 17 समरसेबल मोटर, 21 पानी के पंखे, दो मोटर रोटर, करीब साढ़े चार किलोग्राम तांबे का तार और पांच किलोग्राम नट-बोल्ट शामिल हैं। इसके अलावा चोरी में प्रयुक्त उपकरण, तमंचा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस टीम सैंथली मंडैया गांव के तिराहे पर जांच कर रही थी। इसी दौरान दनकौर कोतवाली क्षेत्र के रोशनपुरा गांव निवासी दीपांशु वहां से गुजर रहा था। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांवों के जंगलों में सुनसान स्थानों पर लगे ट्यूबवेलों की रेकी करता था। रात में औजार लेकर चिन्हित खेतों से पानी की मोटर, समरसेबल और पंखे खोलकर चोरी कर लेता था। चोरी का सामान सुरक्षित स्थान पर एकत्र करने के बाद मौका मिलने पर उसे बेच देता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी वारदात के दौरान तमंचा अपने पास रखता था। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हनुमान अंश फिल्म के भजन गायक सुनील लोधी का नगर निगम में सम्मान, जय श्री राम के जयघोष से गूंजा परिसर

भक्ति के साथ स्वच्छता का संदेश, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के साथ शहरवासियों से की स्वच्छता की अपील

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हनुमान अंश फिल्म के सुप्रसिद्ध भजन गायक कलाकार सुनील लोधी के गाजियाबाद नगर निगम पहुंचने पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, पार्षदों और निगम अधिकारियों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान नगर निगम परिसर में भक्ति का माहौल देखने को मिला। भजन गायक सुनील लोधी ने हनुमान अंश फिल्म में गाए अपने प्रसिद्ध भजन मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डाल दई की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को भक्तिमय कर दिया। भजन के बाद पार्षदों और निगम की टीम ने जय श्री राम का जयघोष किया।

शॉल, पटका और राम दरबार भेंट कर किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और भजन गायक सुनील लोधी के बीच विशेष मुलाकात हुई। नगर आयुक्त ने उन्हें शॉल और पटका पहनाकर सम्मानित किया तथा राम दरबार एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित पार्षदों ने भी भजन गायक से उनके जीवन और संगीत यात्रा से जुड़े सवाल किए, जिनका उन्होंने सहजता से जवाब दिया।

भक्ति के साथ स्वच्छता का संदेश

कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त

विक्रमादित्य सिंह मलिक और सुनील लोधी ने संयुक्त रूप से शहरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने घर और शहर को स्वच्छ रखना सच्ची भक्ति के साथ देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी माध्यम है। लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने और नगर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

विकास के साथ सकारात्मक वातावरण बनाने पर जोर

पार्षदों ने नगर निगम द्वारा इस विशेष आयोजन के लिए टीम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शहर में विकास कार्यों के साथ पर्यावरण और स्वच्छता के क्षेत्र में भी काम किया जा रहा है। इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर होने से निगम और शहर में सकारात्मक वातावरण बनता है। कार्यक्रम में मनोज त्यागी, प्रदीप चौधरी, नीरज गोयल, सुमन जाटव, कुलदीप त्यागी, सुभाष चौधरी, विनिल दत्त, रेखा गोस्वामी, मधुकर त्यागी, अमित त्यागी सहित अन्य पार्षद, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रभारी नजारत डॉ. अनुज सहित निगम की टीम ने आयोजन में सहयोग किया। पूरे कार्यक्रम में 'स्वच्छता की बात, भक्ति के साथ' का संदेश प्रमुखता से दिया गया।

संपादकीय

डूसू का फैसला छात्र राजनीति के लिए जीत से बड़ी है जिम्मेदारी

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ यानी डूसू चुनाव 2026 के परिणाम केवल चार पदों पर उम्मीदवारों की जीत हार का आंकड़ा नहीं हैं, बल्कि देश की छात्र राजनीति की दिशा, उसके मुद्दों और उसकी कार्यशैली को समझने का महत्वपूर्ण अवसर भी हैं। 19 सितंबर को घोषित परिणामों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने चार केंद्रीय पदों में से तीन पर जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह राठौर विजयी रहे, जबकि उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर यश डबास ने राष्ट्रीय छात्र संगठन के उम्मीदवार विजय शंकर मीणा को 2,053 मतों के अंतर से पराजित किया। डबास को 24,576 मत मिले, जबकि मीणा को 22,523 मत प्राप्त हुए।

डूसू चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दिल्ली विश्वविद्यालय देश के सबसे बड़े और प्रभावशाली विश्वविद्यालय परिसरों में शामिल है। यहां की छात्र राजनीति का असर विश्वविद्यालय की सीमाओं से बाहर राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श तक दिखाई देता है। अनेक छात्र नेता आगे चलकर विभिन्न राजनीतिक दलों और सार्वजनिक संस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इसलिए डूसू में होने वाली राजनीतिक गतिविधियों को केवल परिसर की सामान्य चुनावी प्रतिस्पर्धा मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह युवाओं के लोकतांत्रिक प्रशिक्षण और नेतृत्व निर्माण का भी एक महत्वपूर्ण मंच है।

इस बार चुनाव में मतदान प्रतिशत 40.46 रहा, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में अधिक है। 52 मतदान केंद्रों पर विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह बढ़ी हुई भागीदारी इस बात की ओर संकेत करती है कि छात्रों के बीच अपने प्रतिनिधियों के चयन को लेकर रुचि बनी हुई है। हालांकि कुल पात्र मतदाताओं की तुलना में मतदान अभी भी आधे से कम रहा, इसलिए छात्र संगठनों के सामने यह चुनौती बनी हुई है कि वे चुनावी राजनीति को अधिक विद्यार्थियों से कैसे जोड़ें। केवल चुनाव के समय सक्रिय होना और उसके बाद छात्रों की समस्याओं से दूरी बना लेना प्रतिनिधित्व की भावना को कमजोर कर सकता है।

इस चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में छात्र आवास और परिसर की सुरक्षा रहे। चुनाव से कुछ दिन पहले सत्य निकेतन में छात्र आवास वाली इमारत के गिरने की घटना में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत ने सुरक्षित और किफायती आवास के सवाल को गंभीर बना दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों को पर्याप्त छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है और बड़ी संख्या में विद्यार्थी निजी पीजी या किराये के आवास पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में छात्र संगठनों के घोषणापत्रों में आवास का मुद्दा प्रमुखता से सामने आना स्वाभाविक था।

अब डूसू के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे चुनावी वादों को वास्तविक काम में बदलें। छात्रावासों की उपलब्धता, सुरक्षित आवास, परिवहन में रियायत, पुस्तकालय, छात्रवृत्ति, फीस, स्वच्छ परिसर, महिला सुरक्षा और शैक्षणिक सुविधाएं ऐसे विषय हैं जिनका समाधान केवल नारों और आंदोलनों से नहीं हो सकता। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ लगातार संवाद, लिखित प्रस्ताव, तथ्य आधारित मांग और परिणाम तक पहुंचने वाली निगरानी व्यवस्था जरूरी होगी। विद्यार्थियों ने जिन प्रतिनिधियों को चुना है, उनसे अब भाषण से अधिक काम की अपेक्षा होगी। छात्रों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाना डूसू की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय दीपांशु शौकीन की जीत भी इस चुनाव का महत्वपूर्ण पहलू है।

~ मौलिक चिंतन ~

आलोचना को अपमान न मानकर सम्मान दें, जीवन में बहुत कुछ अच्छा घटित होगा।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

जब चुनाव आयोग ही दलों की पहचान तय करने लगे, तो लोकतंत्र किसके भरोसे?

सनत जैन

भारत में चुनाव आयोग लोकतंत्र का प्रहरी है। संविधान ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उसे असीम शक्तियां दे रखी हैं। संविधान ने उसे इसलिए स्वतंत्र बनाया था, वह निष्पक्ष चुनाव करा सके। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के समय पर चुनाव आयोग की धाक सारी दुनिया और देश में थी। सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी नेता चुनाव आयोग की कार्यवाहियों को लेकर हमेशा सजग रहते थे। उस समय सभी राजनीतिक दलों को समानता का अवसर मिले, इस बात का ध्यान चुनाव आयोग ने रखा था। आज सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था है? या केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने वाली एक ऐसी संवैधानिक संस्था बन गई है जो सरकार के इशारे पर सरकार के लिए काम कर रही है? चुनाव आयोग अब राजनीतिक दलों के अस्तित्व, नाम और चुनाव चिन्ह का फैसला करने वाली ऐसी शक्ति बनता जा रहा है, जिसके निर्णय से किसी पार्टी की पूरी राजनीतिक पहचान बदल सकती है? हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कई वर्षों से मामले सुनवाई के लिए पड़े हैं। उन पर समय रहते सुनवाई नहीं होती है? एक तरह से वह भी केंद्र सरकार के दबाव पर काम करते हुए नजर आ रहे हैं। इस बात के आरोप अब न्यायपालिका पर भी लगने लगे हैं, जिसके कारण लोकतंत्र और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ अब जनता का विश्वास भी खत्म होता हुआ दिख रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पिछले कई वर्षों से विवादों में है। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस पर भी इतने लंबे समय तक सुनवाई न होना न्यायपालिका पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। पश्चिम बंगाल का ताजा घटनाक्रम इसी सवाल को और भी गंभीर बनाता है। विधानसभा चुनाव के दौरान टीएमसी और भाजपा के बीच में तरह-तरह के आरोप प्रत्यारोप लगाए गए थे। टीएमसी को खत्म करने की धमकी एक राजनैतिक दल द्वारा दी गई थी। वह धमकी अब पूरी होती हुई नजर आ रही है। विधानसभा चुनाव के 1 महीने के अंदर 40 निर्वाचित विधायक और करीब 20 सांसद पार्टी छोड़कर एक ऐसी पार्टी में चले गए जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था। केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल की विधानसभा और चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जो निर्णय लिए गए हैं वह इशारा कर रहे हैं, केंद्र सरकार के इशारे पर टीएमसी और ममता बनर्जी पार्टी को खत्म करने के लिए सुनयोजित साजिश हो रही है। भारत के बड़े-बड़े वकील कानून की बड़ी-बड़ी किताबें लेकर हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के चक्कर लगा रहे हैं। जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर जो निर्णय लिए जा रहे हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के भीतर विवाद के बाद चुनाव आयोग ने मूल पार्टी का नाम और ह्यफूल-घासह्ल चुनाव चिन्ह अंतरिम रूप से फ्रीज कर दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा रिक्त सीट नंदीग्राम पर टीएमसी उम्मीदवार को जबरिया बैठा दिया गया। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को नए नाम और नए चिन्ह दे दिए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में मतगणना में हुई गड़बड़ी को लेकर ममता बनर्जी ने शिकायत दर्ज कराई थी, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह माना जा रहा है, नंदीग्राम में हुई गड़बड़ी का भेद न खुल जाए, इसलिए ममता बनर्जी की पार्टी का चुनाव चिन्ह ही सीज कर दिया गया है। ममता बनर्जी के गुट को ह्यममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसह्ल और फुटबॉल खिलाड़ी का चिन्ह मिला है। चुनाव आयोग का यह अंतिम फैसला नहीं है। सवाल अंतिम फैसले से भी बड़ा है। जिस पार्टी को उसके संस्थापक नेतृत्व ने बनाया, उसे एक ही झटके से खत्म कर दिया गया। जिस नाम और चिन्ह के साथ उसने कई चुनाव लड़े। 3 दशकों तक चुनाव लड़े। मतदाताओं ने वर्षों तक जिस चुनाव चिन्ह को पहचान दी। कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों के अलग हो जाने पर क्या उसकी राजनीतिक पहचान पर रोक लगाई जा सकती है? यह निर्णय इसी तरह का हुआ कि अब आप अपने पुराने नाम का इस्तेमाल नहीं करके नए नाम से अपनी पहचान बनाओ। क्या किसी का इस तरह से नाम बदला जा सकता है?

यही विवाद महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों और सांसदों के दल बदल के समय सामने आया था। मूल पार्टी ने दल बदल कानून के तहत सदस्यता खत्म करने का आवेदन दिया था। उस पर कोई फैसला नहीं हुआ। राजनीतिक दलों के विभाजन और निर्वाचित विधायकों-सांसदों के दूसरे दल में जाने के बाद यह प्रश्न लगातार उठता रहा है। पिछले एक दशक में जितने भी दल बदल हुए हैं, इसका फायदा भारत के एक ही राजनीतिक दल को मिला है, जो केंद्र की सत्ता में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में जो दलील रख रहे हैं, उसके जरिये उन्होंने दल बदल कानून की हर परत को उजागर किया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस भी जारी किया है। अभी अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट का नहीं आया है। यह कब तक आएगा यह भगवान ही जानते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में लोकतंत्र एवं चुनाव आयोग का एक ऐसा चेहरा सामने आया है। चुनाव आयोग के इस निर्णय से राजनीतिक दल उसके सिंबल और उसके संगठन का अब कोई मतलब ही नहीं रह गया, ना ही निर्वाचित प्रतिनिधि की जनता के प्रति कोई जवाबदारी रह गई। भारत में जिस तरह के फैसले संवैधानिक संस्थाओं द्वारा लिये जा रहे है। उसमें 2 तरह के कानून, जिसकी लाठी उसकी भैंस की कहावत चरितार्थ हो रही है।

कश्मीर पर पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब चीन के साथ सीमा आयोग पर भारत का दो टूक जवाब

कांतिलाल मांडोत

भारतीय भूभाग पर फैसले का अधिकार किसी तीसरे देश को नही है। पाकिस्तान और चीन के बीच सीमा संबंधी सहयोग को लेकर भारत ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान-चीन सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक शुरू होने के बाद भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान और चीन के बीच किसी भी प्रकार का सीमा सहयोग भारत के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र पर अपने अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग भी दोहराई है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोनों देशों ने सीमा संयुक्त आयोग को औपचारिक रूप से सक्रिय किया। पाकिस्तान ने इसे सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यानी पाकिस्तान इस तंत्र को चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साधन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

भारत की आपत्ति का मूल कारण यही है कि पाकिस्तान और चीन के बीच प्रस्तावित सीमा सहयोग का संबंध उन क्षेत्रों से भी जुड़ता है जिन्हें भारत अपना संप्रभु भूभाग मानता है। भारत का कहना है कि किसी ऐसे क्षेत्र के संबंध में दो अन्य देश आपस में कोई व्यवस्था नहीं कर सकते जो भारत की संप्रभुता से संबंधित है। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

1963 का समझौता भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया भारत की आपत्ति का एक महत्वपूर्ण आधार 2 मार्च 1963 को हुआ तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता भी है। भारत सरकार लंबे समय से इसे अवैध और अमान्य मानती रही है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार भारत का कहना है कि इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र के शक्सगाम घाटी से संबंधित लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंपने की व्यवस्था की थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी।

भारत का आधिकारिक रुख यह भी है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय ने पहले भी कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों तथा चीन से जुड़े ऐसे किसी भी कदम को भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जोड़कर देखता है।

यही वह बिंदु है जहां कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की मूल स्थिति अलग दिखाई देती है। भारत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अपने संवैधानिक तथा संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि पाकिस्तान अपने आधिकारिक बयानों में जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दा बताता रहा है। मई 2026 में चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया और चीन ने इसे ऐतिहासिक रूप से लंबित विवाद बताते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप शांतिपूर्ण समाधान की बात कही थी।

कश्मीर नीति में दावे अलग और व्यवहार अलग

कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की नीति को समझने के लिए उसके बयानों और गतिविधियों को अलग-अलग देखना जरूरी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करता है और इसके समाधान की मांग करता है। दूसरी ओर, वह चीन के साथ ऐसे सीमा और संपर्क संबंधी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है जिनका संबंध भारत द्वारा अपने क्षेत्र के रूप में दावा किए जाने वाले इलाकों से भी जुड़ता है। यही स्थिति भारत की ओर से गंभीर आपत्ति का कारण बनती है।

पाकिस्तान की ओर से चीन के साथ सीमा आयोग को सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग का नया चरण बताया है। लेकिन भारत इसे अलग नजरिये से देखता है और मानता है कि भारतीय भूभाग से जुड़े किसी भी मामले में पाकिस्तान को चीन के साथ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

गिलगित-बाल्टिस्तान का महत्व भी इसी संदर्भ में सामने आता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान के निकट स्थित है तथा चीन-पाकिस्तान आर्थिक संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लिए इसका महत्व केवल क्षेत्रीय दावे तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा और मध्य एशिया से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ा है।

भारत का कहना है कि पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर अपने कब्जे को समाप्त करना चाहिए और ऐसे कदमों से बचना चाहिए जिनसे उस कब्जे को किसी अन्य देश के साथ सहयोग के माध्यम से वैधता मिलने का आभास पैदा हो। भारत ने पहले भी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से संबंधित उन गतिविधियों पर आपत्ति जताई है जो उसके अनुसार भारतीय संप्रभु क्षेत्र से गुजरती हैं।

कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति में इसलिए एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर वह जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और समाधान की बात करता है, दूसरी ओर पाकिस्तान-चीन सहयोग के ऐसे ढांचे को आगे बढ़ाता है जिनमें भारत द्वारा दावा किए गए क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। भारत इसी आधार पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाता है और कहता है कि किसी तीसरे देश के साथ समझौते करके भारतीय भूभाग की स्थिति नहीं बदली जा सकती।

भारत का ताजा संदेश इसी लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुनर्पुष्टि है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर उसकी संप्रभुता की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान-चीन सीमा सहयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि कश्मीर का प्रश्न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन की भूमिका के कारण इसका रणनीतिक और क्षेत्रीय आयाम भी लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है।

ऐसे में पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग की शुरूआत ने कश्मीर से जुड़े पुराने विवाद को एक बार फिर कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। भारत ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संबंध में उसकी संप्रभुता पर किसी बाहरी व्यवस्था का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। वहीं पाकिस्तान और चीन अपने सहयोग को सीमा प्रबंधन और क्षेत्रीय संपर्क के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाले समय में इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के कूटनीतिक बयानों से यह तय होगा कि यह नया सीमा तंत्र केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित रहता है या कश्मीर से जुड़े व्यापक क्षेत्रीय मतभेदों को और चर्चा में लाता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ललित गर्ग

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है।

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ह्यकाला दिनह्ल बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है। संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक ओर दल में टूट, नाम व प्रतीक का स्थगन और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई साख को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पाती हैं या नहीं।

जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एग्जेंन्थिक ब्लू इगुआना

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

वॉम्बेट

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

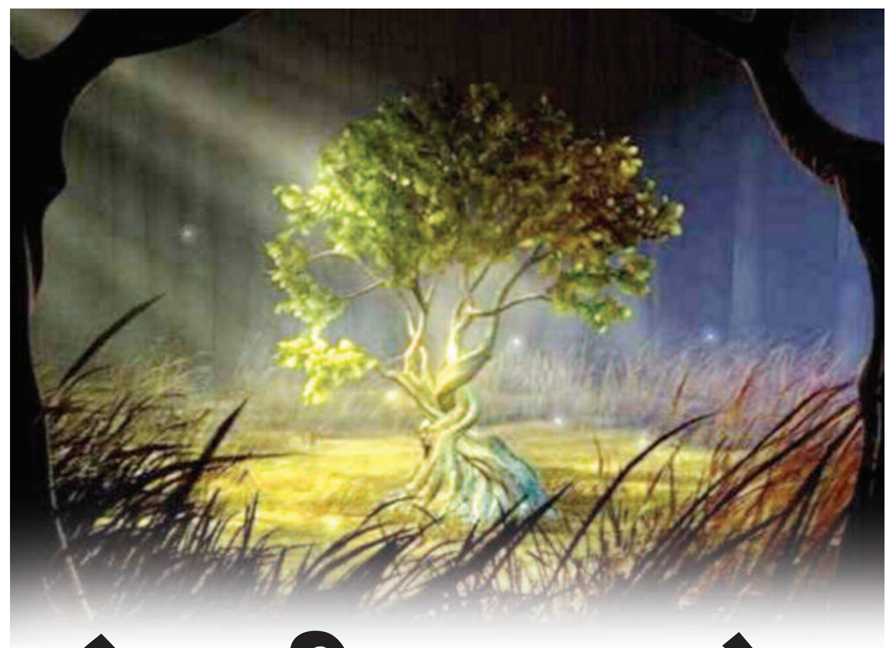

रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

मेहुल की सेल्फी

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

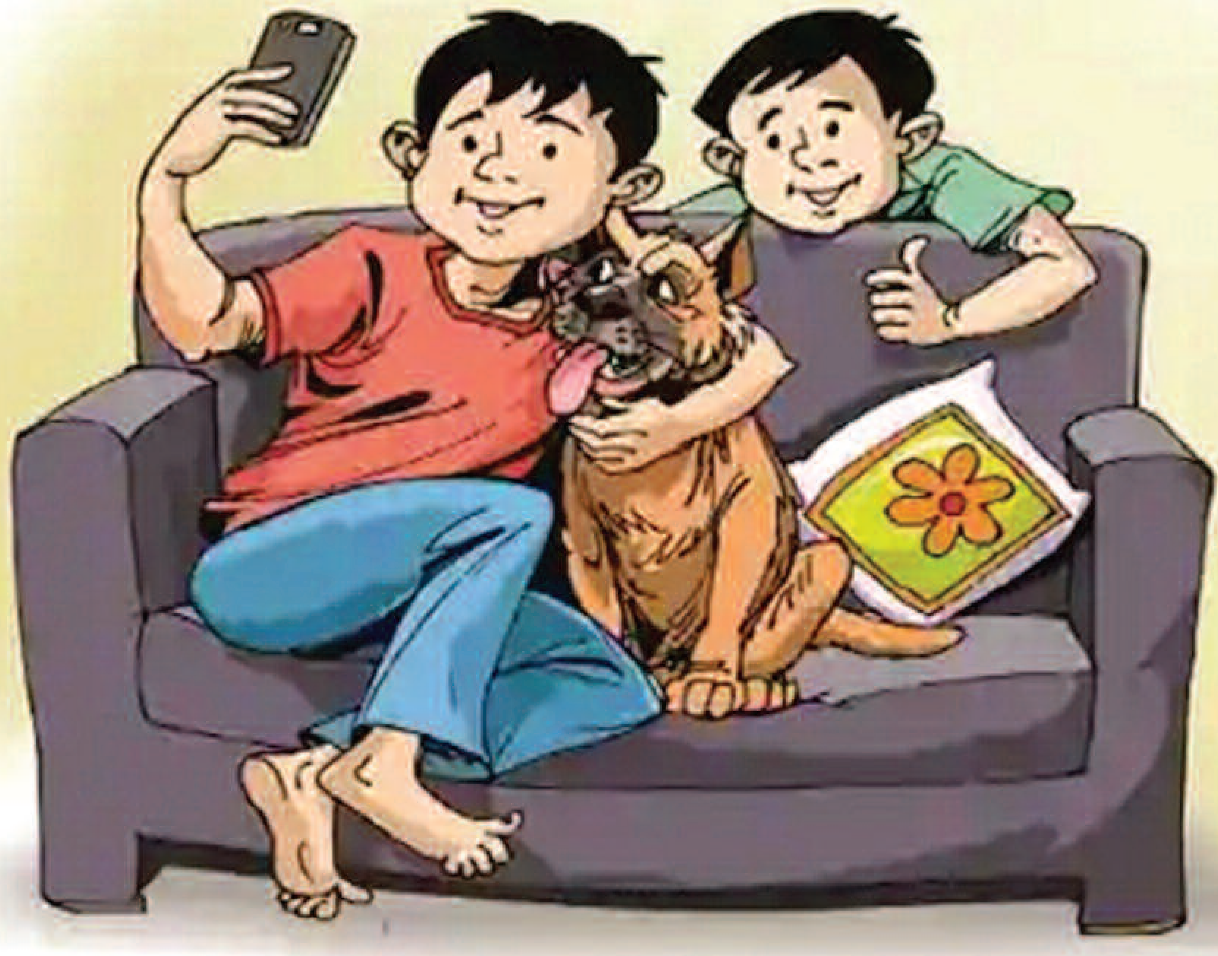

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले।

आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

हीरो मोटर्स आईपीओ को निवेशकों का जोरदार रिस्पॉन्स

मुंबई ।

हीरो मोटर्स के इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जो तीसरे और आखिरी दिन कुल 7.01 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ। हालांकि, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर के प्रति उत्साह ठंडा पड़ा है और इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम शून्य पर पहुंच गया है, जिससे लिस्टिंग के फ्लैट रहने के संकेत मिल रहे हैं। यह इश्यू तीसरे और आखिरी दिन कुल 7.01 गुना सब्सक्राइब हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों ने 10.47 गुना और खुदरा निवेशकों ने 8.62 गुना बोलियां लगाईं, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 1.59 गुना भरा। हालांकि, अनलिस्टेड मार्केट में हीरो मोटर्स के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम शून्य पर है, जो 84 रुपए के इश्यू प्राइस पर फ्लैट लिस्टिंग का संकेत देता है। 1,000 करोड़ रुपए के इस आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, प्लांट की क्षमता बढ़ाने और रणनीतिक अधिग्रहण में होगा। कंपनी की आय वित्त वर्ष 2026 में 9 फीसदी और मुनाफा 26 फीसदी बढ़ा है। पावरट्रेन सॉल्यूशंस बनाने वाली हीरो मोटर्स के शेयरों का आवंटन 21 सितंबर 2026 और लिस्टिंग 23 सितंबर 2026 को संभावित है।

चंडीगढ़ में भारत टैक्सी की हुई शुरुआत

चंडीगढ़ ।

चंडीगढ़ में एक ऐतिहासिक पहल के तहत देश की पहली सहकारी मॉडल पर आधारित ऑनलाइन सवारी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक आगाज किया गया। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने डिजिटल माध्यम से इसका उद्घाटन किया और इसके उपरांत 'भारत टैक्सी' के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चंडीगढ़ प्रशासन के सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल और कृष्ण पाल गुर्जर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ भारत टैक्सी के प्रतिनिधि, सहकारी क्षेत्र के सदस्य और बड़ी संख्या में चालक-सदस्य भी शामिल हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि चंडीगढ़ में इस सेवा की शुरुआत प्रौद्योगिकी आधारित परिवहन क्षेत्र में सहकारी मॉडल के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चालकों को सशक्त बनाएगी और उपभोक्ताओं को विश्वसनीय सेवा प्रदान करेगी।

चंडीगढ़ में सीएनजी-पीएनजी हुई सस्ती, त्योहारी सीजन से पहले प्रशासन का बड़ा तोहफा

- प्राकृतिक गैस पर वैट 12.5 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया

चंडीगढ़ ।

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में त्योहारी सीजन से पहले आम जनता को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) पर लगने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वेट) को 12.5 फीसदी से घटाकर सीधे 5 फीसदी कर दिया है। वैट की दर में 7 फीसदी से अधिक की इस ऐतिहासिक कटौती से शहर में लाखों उपभोक्ताओं को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। ये नई दरें हाल ही में लागू हो गई हैं, जिससे ईंधन की कीमतें तुरंत प्रभावी हुई हैं। इस महत्वपूर्ण कटौती के परिणामस्वरूप, घरेलू पीएनजी की कीमतों में लगभग 3.42 रुपये प्रति एससीएम तक की कमी आने का अनुमान है। फिलहाल चंडीगढ़ में घरेलू पीएनजी की कीमत लगभग 54.70 रुपये प्रति एससीएम है। इसी तरह, वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी गैस की खुदरा कीमतों पर भी इसका असर दिखेगा, जिससे वाहन चालकों और ऑटो-कैब ऑपरेटरों को सीधा फायदा होगा। चंडीगढ़ प्रशासन का यह कदम दोहरे उद्देश्य से प्रेरित है। पहला शहर में प्रदूषण के स्तर को कम करना और इसके लिए लोगों को पर्यावरण के अनुकूल ईंधन जैसे सीएनजी और पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। दूसरा, प्राकृतिक गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों के लिए शहर में नैचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आसान होगा।

प्रशासन ने शहर के लगभग 1.70 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सस्ती गैस होने से लोग पारंपरिक एलपीजी सिलेंडरों को छोड़कर पीएनजी की ओर तेजी से आकर्षित होंगे। गौरतलब है कि वैट एक अप्रत्यक्ष कर है जो वस्तु के उत्पादन से लेकर ग्राहक तक पहुंचने के हर चरण पर लगाया जाता है। हालांकि भारत में 1 जुलाई 2017 से अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी लागू हो गया है, भारतीय संविधान के नियमों के अनुसार पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस (जैसे सीएनजी और पीएनजी) को अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। यही कारण है कि इन पर राज्य स्तर पर वैट लागू होता है, जिसे अब चंडीगढ़ प्रशासन ने घटाकर नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की है।

शेयर बाजार में सप्ताह भर रही उठापटक, फेड और कच्चे तेल ने बढ़ाई चिंता

वैश्विक दबाव में संघर्ष करता रहा शेयर बाजार, निवेशकों ने संभाली सतर्कता

मुंबई ।

सितंबर 2026 के मध्य में भारतीय शेयर बाजार ने एक अत्यधिक अस्थिर सप्ताह का अनुभव किया। वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों की अनिश्चितता ने निवेशकों को लगातार सतर्क रखा। शुरुआती तेज उछाल के बावजूद बाजारों ने अक्सर अपनी बढ़त गंवाई और सप्ताह भर अस्थिरता बनी रही, जिससे कोई स्पष्ट दिशा नहीं मिल पाई। बीते सप्ताह सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई। मंगलवार को सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़कर 75,005.46 पर और निफ्टी 23,450 के स्तर को पार कर गया।

सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक की मजबूत तेजी दर्ज की गई, जिसने वैश्विक चुनौतियों को धता बताया। हालांकि यह शुरुआती उत्साह ज्यादा देर तक नहीं टिक सका। बाजार ने अपनी सारी बढ़त गंवा दी और भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 778 अंक से अधिक टूटकर 74,003.82 पर और निफ्टी 23,118.60 पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुद्ध आधार पर 2,977.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो गिरावट का एक प्रमुख कारण था। मंगलवार की भारी गिरावट के बाद बुधवार को बाजार में वैल्यू बाइंग के कारण शुरुआती उछाल दर्ज किया गया। सेंसेक्स 244 अंक और निफ्टी 77 अंक चढ़कर कारोबार कर रहा था। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बाजार में सतर्कता बनी रही। दिन के अंत में सेंसेक्स 332.63 अंक बढ़कर 74,336.45 पर और निफ्टी 99 अंक चढ़कर 23,217.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी लौटी, लेकिन फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने और मौद्रिक नीति में सख्ती के संकेत के बाद बाजार लगभग सपाट बंद हुए। सेंसेक्स 21.86 अंक गिरकर 74,314.59 पर और निफ्टी मामूली 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को पहले दिन 39 फीसदी सदस्यता मिली।

मालदीव ने भारत का 15 करोड़ डॉलर का ट्रेजरी बिल चुकाया

पिछले पांच वर्षों का करीब 4.5 करोड़ डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने वहन किया

नई दिल्ली ।

मालदीव ने भारत से जुड़े 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1250 करोड़ रुपये) के ट्रेजरी बिलों का भुगतान पूरा कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम पांच करोड़ डॉलर की किस्त का निपटान 17 सितंबर को सफलतापूर्वक किया गया। खास बात यह है कि इन ट्रेजरी बिलों पर पिछले पांच वर्षों का करीब 4.5 करोड़ डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने वहन किया।

विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2019 में इन ट्रेजरी बिलों को खरीदा था, जिनकी अवधि छह बार एक-एक साल के लिए बढ़ाई गई।

मूल राशि मालदीव ने चुकाई, जबकि भारत ने ब्याज का भार उठाया।

भारत ने मालदीव की वित्तीय प्रणाली को सहयोग देने के लिए 3,000 करोड़ रुपये की मुद्रा विनिमय सुविधा और 35 करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बॉन्ड भी खरीदे हैं, जो 2029 और 2030 तक वैध हैं।

यह भारत-मालदीव की दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक और प्रमाण है, जिसके तहत भारत आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी करता है।

कृषि में नवाचार से उपभोक्ताओं की सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए- एफएसएसएआई

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की एक प्रमुख अे धिकारी ने कृषि क्षेत्र में नवाचार के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि खेती में नवाचार का मकसद केवल फसल की पैदावार बढ़ाना नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित करना भी होना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि-रसायन महासंघ की 9वीं सालाना आम बैठक में कहा कि नवाचार और विनियमन को प्रतिद्वंद्वी के बजाय सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नवाचार को किसी खाद्य उत्पाद की सुरक्षा को कम करने के तरीके के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए; इसके बजाय, इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए सुरक्षा का स्तर बढ़ाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के अवशेषों की सीमा वैज्ञानिक सबूतों, जोखिम-आधारित तरीकों और निगरानी पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों को कम करने के बजाय, फसलों के इस्तेमाल के बाद नए या उभरते हुए दूषित पदार्थों का पता लगाने के तरीके खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नवाचार हमेशा अच्छा होता है और यह हमेशा होना चाहिए, लेकिन उपभोक्ता सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रबंधन शिक्षा को अपना दायरा बढ़ाना होगा- सीईए

पारंपरिक कुशलता के बजाय लचीलेपन, गहन सोच और चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली ।

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने प्रबंधन शिक्षा के लिए एक बड़े बदलाव का आह्वान किया है। नोएडा में 16वें 'इंडियन मैनेजमेंट कॉन्क्लेव' में उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों के कारण दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे में प्रबंधन संस्थानों को पारंपरिक तकनीकों से आगे बढ़कर छात्रों को इन नई वास्तविकताओं के लिए तैयार करना होगा। उन्हें केवल एआई केंद्रित विषयों को जोड़ने के बजाय अपने पाठ्यक्रम में समझदारी, मुश्किल हालात से उबरने की क्षमता, गहरी सोच और चरित्र को केंद्र में रखना चाहिए। नागेश्वरन ने स्पष्ट किया कि पारंपरिक रूप से प्रबंधन का जोर लीन ऑपरेशन, जस्ट-इन-टाइम सिस्टम और एकल-स्रोत आपूर्ति श्रृंखला जैसी कुशलता पर था, लेकिन वैश्विक झटकों के कारण अब ये मॉडल कमजोर पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती होड़ और आपूर्ति व्यवस्थाओं को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के कारण प्रबंधकों को अब अतिरिक्त क्षमता बनाने, विकल्पों को बनाए रखने और संगठनों में मुश्किल हालात से उबरने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है, भले ही इससे लागत बढ़ जाए।

नागेश्वरन के अनुसार, बिना किसी रुकावट वाली कुशलता और एकल-स्रोत वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। यह कम से कम एक पीढ़ी तक वापस नहीं आएगी। उन्होंने जोर दिया कि जिन प्रबंधकों को केवल संतुलन साधने और लागत कम रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, उन्हें अब एक पूरी तरह बदली हुई दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। नागेश्वरन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हाल ही में भू-राजनीतिक तनावों जैसे होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधानों ने भारतीय व्यवसायों को आपूर्ति स्रोतों और रणनीतियों पर पुनर्विचार करने पर मजबूर किया है। सीईए ने भारतीय प्रबंधन संस्थानों से आग्रह किया कि वे पश्चिमी मॉडलों की नकल करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ढांचे विकसित करें।

टाटा और नेक्सपेरिया ने की साझेदारी, भारत में बनेंगी पावर कंट्रोल चिप्स

एम्स्टर्डम ।

डच सेमीकंडक्टर (चिप) निर्माता नेक्सपेरिया ने भारतीय दिग्गज टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ भारत में कंप्यूटर चिप्स के निर्माण और पैकेजिंग के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। यह कदम चीनी मूल कंपनी विंगटेक से नेक्सपेरिया के अलगाव को और मजबूत करेगा, जो भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ रहा है। नेक्सपेरिया और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स मिलकर नेक्सपेरिया के पावर कंट्रोल चिप्स का उत्पादन करेंगे। ये चिप्स गुजरात के धोलेरा में टाटा के 11 अरब डॉलर के निर्माणाधीन संयंत्र में बनाए जाएंगे। कंपनियां असम के जागीरोड में टाटा की पैकेजिंग सुविधा में चिप्स की परीक्षण (टेस्टिंग) और असेंबलिंग (जोड़ना) में भी सहयोग करेंगी। हालांकि, वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है, दोनों भविष्य की तकनीक विकसित करने में भी मिलकर काम करेंगे।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक अे धिकारी ने इस व्यापक साझेदारी को भारत में एक विश्व-स्तरीय, एकीकृत सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। नेक्सपेरिया साधारण चिप्स का एक प्रमुख निर्माता है।

यह साझेदारी विंगटेक से नेक्सपेरिया के अलगाव को मजबूत करती है, जो डच सरकार के हस्तक्षेप से शुरू हुआ था। बीजिंग ने पहले चिप्स निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर जवाबी कार्रवाई की थी।

डच अदालत ने विंगटेक से नियंत्रण छीन लिया है, और टाटा के साथ इस साझेदारी को नेक्सपेरिया के मौजूदा प्रबंधन बोर्ड ने मंजूरी दी है।

ईंधन कीमतों में स्थिरता जारी, विंडफॉल टैक्स कटौती बेअसर

पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले, सरकारी तेल कंपनियां रोज सुबह 6 बजे करती हैं संशोधन

नई दिल्ली ।

देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें शनिवार को लगातार स्थिर बनी रहीं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शे निवार को दरों में कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि, सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी, लेकिन इसका घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कीमतों पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। इस बीच, पेट्रोल पंप डीलर्स अब यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले नए शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क में 1 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। साथ ही एटीएफ पर भी 4 रुपये प्रति लीटर की राहत दी गई थी। यह कदम हालांकि घरेलू कीमतों पर सीधा असर नहीं डालेगा। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दूसरी ओर, पेट्रोल पंप डीलर अगले महीने से लागू होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन चार्ज से छूट की मांग कर रहे हैं। डीलरों का कहना है कि उनका मार्जिन पहले से ही कम है और वे इस अतिरिक्त खर्च को वहन नहीं कर सकते। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतानों को स्वीकार करने से मना कर सकते हैं। इससे ग्राहकों को नकदी या कार्ड का रुख करना पड़ सकता है, जो डिजिटल इंडिया के लिए चुनौती होगा।

बोर्डरूम विवाद से टाटा ग्रुप का मार्केट कैप 39,000 करोड़ घटा

मुंबई ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को खासी गिरावट दर्ज की गई, जिससे समूह का बाजार पूंजीकरण करीब 39,000 करोड़ रुपये घट गया। यह गिरावट समूह के शीर्ष नेतृत्व में चल रही खींचतान का सीधा परिणाम है, जहां टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने एन चंद्रशेखरन को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त करने के बोर्ड प्रस्ताव को अवैध करार दिया है। इस शीर्ष-स्तरीय खींचतान ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार को टाटा संस की बोर्ड बैठक में एन चंद्रशेखरन को अध्यक्ष के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इस पुनर्नियुक्ति की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे अवैध करार दिया।

शीर्ष नेतृत्व में इस खींचतान का असर आज समूह के शेयरों पर साफ दिखा। जहां निफ्टी 50 में 0.33 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई, वहीं निफ्टी टाटा 25 कैप सूचकांक 1.12 फीसदी नीचे बंद हुआ।

समूह की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर 3.9 फीसदी गिरकर 2,105 रुपये पर बंद हुआ, जिससे कंपनी के बाजार पूंजीकरण में अकेले 30,754 करोड़ रुपये की कमी आई। टाटा केमिकल्स को भी भारी नुकसान हुआ और यह 11 फीसदी गिरकर 603.25 रुपये पर बंद हुआ। समूह की अन्य कंपनियों में टाटा टेक्नोलॉजीज 4.8 फीसदी और टाटा एलेक्सी 3.4 फीसदी नीचे बंद हुए।

क्यूईडी कैपिटल एडवाइजर्स में एक मैनेजिंग पार्टनर ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा` कि आम तौर पर शीर्ष नेतृत्व के बीच टकराव से बाजार में हलचल मच जाती है, लेकिन टाटा समूह एक ऐसा संस्थान है जो मजबूत बुनियाद पर टिका है, न कि किसी एक व्यक्तित्व पर। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कारोबारी संचालन और आईपीओ को लेकर चल रहा यह बोर्डरूम टकराव कुछ समय के लिए अस्थिरता पैदा कर सकता है, लेकिन समूह की नींव इतनी मजबूत है कि वह इस मुश्किल दौर से निकल सकता है और लंबे समय में शेयरधारकों के मूल्यों को सुरक्षित रख सकता है। यह गिरावट निफ्टी आईटी सूचकांक में देखी गई व्यापक कमजोरी के अनुरूप भी थी, जो दिन के अंत में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला प्रमुख सूचकांक रहा।

कर्नाटक में दूध 8 रुपए महंगा करने की मांग, सरकार को 3 दिन का अल्टीमेटम

डेयरी किसानों का आरोप, उत्पादन लागत बढ़ने और हरे चारे की कमी से गहराया संकट

बैंगलूर।

कर्नाटक के उपभोक्ताओं को जल्द ही दूध के बढ़े हुए दाम का झटका लग सकता है। राज्य के दुग्ध उत्पादक संघों ने दूध की कीमतों में 8 रुपये प्रति लीटर की भारी वृद्धि की मांग की है, और इस संबंध में सरकार को तीन दिनों का अल्टीमेटम भी दे दिया है। यह मांग बेंगलुरु प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाई गई। दुग्ध उत्पादक संघों का कहना है कि बढ़ती उत्पादन लागत और दूध के घटते उत्पादन ने उन पर भारी दबाव डाला है। बामुल, चामुल और मांड्या मिल्क जैसे बड़े मिल्क यूनियन इस मांग के पक्ष में हैं। उन्होंने सरकार से दूध उत्पादकों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन (इंसेंटिव) में भी बढ़ोतरी की मांग की है। बामुल मिल्क यूनियन के प्रेसिडेंट ने बताया कि डेयरी एसोसिएशन पिछले आठ महीनों से सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। डेयरी किसान इस समय गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। कम बारिश के कारण हरे चारे की कमी है, वहीं पशु आहार और कच्चे माल की कीमतों में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। ट्रांसपोर्टेशन खर्च बढ़ने से दूध उत्पादन की कुल लागत काफी बढ़ गई है, जिससे किसानों के लिए मवेशी पालना मुश्किल हो रहा है। संघों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर कैबिनेट की बैठक बुलाकर फैसला नहीं लिया गया, तो वे विधान सौध तक विरोध मार्च निकालेंगे। यदि राज्य सरकार इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देती है, तो नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहारों से ठीक पहले नंदिनी जैसे ब्रांड का दूध बेहद महंगा हो जाएगा। इससे न केवल रसोई का बजट गड़बड़ाएगा, बल्कि मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतें भी आसमान छू सकती हैं।

टाटा संस में चंद्रशेखरन का कार्यकाल विस्तार, नोएल टाटा की आपत्ति

चेयरमैन की तीसरी नियुक्ति पर बोर्ड मेंबर्स का समर्थन, पर नोएल टाटा नहीं थे सहमत

नई दिल्ली ।

मुंबई में गुरुवार को हुई टाटा समूह की एक महत्वपूर्ण बैठक में एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ा दिया गया है। टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर अगले पांच साल तक वे समूह का नेतृत्व करते रहेंगे। हालांकि, इस फैसले पर टाटा परिवार के सदस्य नोएल टाटा ने आपत्ति जताई थी, लेकिन अन्य बोर्ड सदस्यों के पूर्ण समर्थन के बाद चंद्रशेखरन को दोबारा कमान सौंप दी गई। इस घटना ने दोनों अहम शख्सियतों की भूमिकाओं और उनके पारिश्रमिक में बड़े अंतर को भी उजागर किया है। टाटा समूह के भीतर यह चर्चा तेज है कि एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार से नोएल टाटा नाखुश हैं। बोर्ड में वोटिंग के दौरान नोएल टाटा ने अपनी असहमति स्पष्ट की। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई और टाटा परिवार के अहम सदस्य हैं। वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन सहित समूह की कई कंपनियों में गैर-कार्यकारी भूमिकाओं में हैं। दूसरी ओर, एन चंद्रशेखरन पिछले 10 साल से टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में समूह का नेतृत्व कर रहे हैं और अब अगले 5 साल के लिए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। दोनों के बीच मतभेद का सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन उनकी भूमिकाओं और पारिश्रमिक में बड़ा अंतर है। आंकड़ों के अनुसार, नोएल टाटा को विभिन्न गैर-कार्यकारी बोर्ड भूमिकाओं के लिए सालाना करीब 4.5 से 5 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिलता है। इसमें बोर्ड मीटिंग फीस और डायरेक्टर कमीशन शामिल हैं। वहीं, एन चंद्रशेखरन का सालाना पैकेज 135 से 155 करोड़ रुपये के बीच बताया जाता है, जिसमें बुनियादी वेतन के साथ कंपनी के प्रदर्शन से जुड़ा बड़ा कमीशन भी शामिल है। इस तरह, चंद्रशेखरन का पैकेज नोएल टाटा को मिलने वाले पारिश्रमिक से लगभग 27-30 गुना अधिक है। यह अंतर मुख्य रूप से उनकी भूमिकाओं में है- चंद्रशेखरन एक कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर रोजाना के कारोबारी फैसले और रणनीति संभालते हैं, जबकि नोएल टाटा की भूमिका गैर-कार्यकारी सलाह और निगरानी तक सीमित है। जहां नोएल टाटा की संपत्ति कई स्रोतों के अनुसार 1,245 करोड़ से 12,600 करोड़ रुपये तक अनुमानित है (जो परिवार की होल्डिंग्स पर निर्भर करता है), वहीं चंद्रशेखरन का पैकेज उनकी कार्यकारी जिम्मेदारियों का सीधा परिणाम है।

आईसीआईसीआई बैंक ने वेबसाइट और नेट बैंकिंग के यूआरएल बदले

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई बैंक के इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। बैंक ने अपनी वेबसाइट और नेट बैंकिंग के वेब पते (यूआरएल) में बदलाव किया है।

यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के तहत उठाया गया है, जिसके तहत बैंक को अपने पुराने डोमेन को नए डॉटबैंकडाटइन डोमेन पर स्थानांतरित करना पड़ा है। बैंक द्वारा ग्राहकों को भेजी गई सूचना अनुसार, नेट बैंकिंग का पुराना प त ा ` रिटेलबैं किंगडाटआईसीआईसीआईबैंकडॉटकॉम अब बदलकर रिटेलबैं किंगडाटआईसीआईसीआईबैंकडॉटइन कर दिया गया है। इसी तरह, बैंक की मुख्य वेबसाइट आईसीआईसीआईडॉटबैंकडाटइन डोमेन पर उपलब्ध होगी।

यह बदलाव ग्राहकों के मौजूदा ग्राहक आईडी, पासवर्ड या बैंक खाते की जानकारी पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा।

ग्राहक अपने पुराने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके ही नए नेट बैंकिंग पोर्टल पर आसानी से लॉग इन कर सकेंगे। उन्हें किसी भी प्रकार के नए पंजीकरण या नया लॉगिन बनाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, बैंक ने यह भी सूचित किया है कि 19 सितंबर, 2026 को आईमोबाइल ऐप की सेवाएं कुछ घंटों के लिए निर्धारित रखरखाव के कारण बंद रहेंगी। यह एक पूर्व-निर्धारित कार्य है और ग्राहकों को इससे अवगत कराया गया है।

मनु-पवन ने थामा तिरंगा...ओपनिंग सेरेमनी में शान से निकला भारतीय दल

आइची नागोया। आइची नागोया एशियन गेम्स की शुरुआत हो गई। भारत इस साल हांगझोउ में 2023 में एशियन गेम्स के मेडल्स रिकॉर्ड को तोड़ने उतरा है। तब भारत ने 28 स्वर्ण समेत 107 पदक जीते थे। नीरज चोपड़ा इस साल एशियाड का हिस्सा नहीं होंगे। मनु भाकर और पवन सेहरावत की अगुआई में भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में शान से मार्च किया। दोनों फ्लैग-बेयरर हाथों में तिरंगा थामे सबसे आगे रहे, जबकि उनके पीछे भारतीय खिलाड़ियों का दल पूरे जोश और गर्व के साथ स्टेडियम में पहुंचा। नागोया के मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की एंट्री के दौरान माहौल में देशभक्ति और उत्साह साफ नजर आया। यह पल भारतीय खिलाड़ियों के लिए एशियन गेम्स के इस बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का खास अनुभव रहा।

मनु भाकर की साथी खिलाड़ियों को खास सलाह...

शिकायत की बजाय प्रदर्शन करें

नागोया। एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय दल की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। आवास समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर खिलाड़ियों की शिकायतों के बीच स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने अपने साथी भारतीय खिलाड़ियों से खास अपील की है। मनु ने खिलाड़ियों से कहा कि वे समस्याओं को लेकर शिकायत करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें।

भारत समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। इनमें सबसे प्रमुख समस्या खिलाड़ियों के रहने से जुड़ी बताई जा रही है। नागोया में कई खिलाड़ियों को आवास और अन्य सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में मनु भाकर ने भारतीय खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं भारत के अपने सभी साथी खिलाड़ियों से कहना चाहती हूं कि हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मैंने सोशल मीडिया पर कुछ मुद्दे देखे हैं और लोग मुझे बता रहे हैं कि ये मुद्दे हैं।' मनु ने आगे कहा, 'हमारे सामने चाहे कितनी भी समस्याएं हों, यह शायद जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर और अनुभव है। हमें शिकायत करने के बजाय इस समय का आनंद लेना चाहिए।'

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत चुकीं मनु ने खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों पर भरोसा रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है, इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए। यहां तक पहुंचने के लिए हमने बहुत मेहनत की है और हमें सही और गलत बताने में अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए।'

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया

राजकोट। निरंजन शाह स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित पहले यूथ वनडे मैच में ऑलराउंडर यशवर्धन चौहान के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया। बारिश के कारण 20-20 ओवर के इस मैच में, पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 182 रन लगाए। यशवर्धन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 54 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग भी खेले। स्टेडियम में अपने पिता के आक्रामक अंदाज में ओपनिंग करते हुए आर्यवीर ने 5 चौकों की मदद से 26 गेंदों में 28 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 18 गेंदों में 211 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। द्रविड़ और चौहान ने पांचवें विकेट के लिए 69 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने 12वें ओवर में 88/4 के स्कोर पर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को उबारा।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

हरारे। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। यह ऑस्ट्रेलिया का वनडे क्रिकेट में जिम्बाब्वे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वनडे में सबसे बड़ा टोटल 6 विकेट खोकर 350 रन था, जो टीम ने 2014 में बनाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 18.6 ओवर में 130 रन जोड़े। मार्श ने 63 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद हेड को कूपर कोनोली के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। दूसरे विकेट के लिए हेड और कोनोली ने मिलकर 60 रन जोड़े। कोनोली ने 69 गेंदों में 3 चौके और तीन छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। वहीं, हेड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। हेड ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में हेड ने 15 चौके और 3 छक्के गाए।बनाए,जबकि एलेक्स कैरी ने 30 गेंदों में एक चौके की मदद से 20 रन बनाए। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले मैट रेनशॉ ने 11 गेंदों में 15 रन बनाए। अंत के ओवरों में ओलिवर पीक ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं। 501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे। 36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शॉटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद

भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका

घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा

2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर थ्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी। टेनिस में पिछली बार मिश्रित युगल में स्वर्ण जीतने वालीं रुतुजा भोंसले, अंकिता रैना के साथ युगल में उतरेंगी। पुरुष व महिला क्रिकेट टीम, पुरुष व महिला कबड्डी टीम व पुरुष हॉकी टीम इस बार भी स्वर्ण की दावेदार हैं।

आईपीएल अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

मुंबई,। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया।

अगरकर को लेकर अगले 15 दिन में लिया जाएगा फैसला

मुंबई। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद कहा कि सीनियर पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर अगले 15 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा। जुलाई 2023 में चीफ सिलेक्टर बने अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचा। इसके बाद टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत में भारत ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है।

न्यूजीलैंड को झटका... डाइव लगाते समय रचिन रवींद्र का कंधा खिसका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने पर संशय पैदा हो गया है। रचिन बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोटिल हो गए। शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में वह असहज तरीके से सेफ्टी मैट पर गिरे, जिसके बाद उनके दाएं कंधे का जोड़ खिसक गया।शुक्रवार को डॉक्टरों ने रचिन की जांच की। जांच में कंधे में किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, वह मैदान पर कब वापसी कर पाएंगे, यह शुरुआती रिहैबिलिटेशन के दौरान उनकी प्रगति पर निर्भर करेगा। ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में उनकी उपलब्धता अभी तय नहीं है।

न्यूजीलैंड ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण हादसा

न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने रचिन की चोट को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। उन्होंने कहा कि इस समय टीम की प्राथमिकता रचिन को पूरी तरह ठीक करना है। सैंडल ने कहा, 'यह वास्तव में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण चोट है। रचिन के लिए हमें बहुत निराशा हुई है और हमारी मुख्य प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जल्द से जल्द मैदान पर लौट सकें।'उन्होंने प्रमोशनल शूट के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी जानकारी दी। सैंडल ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी व्यावसायिक शूट की गतिविधियों पर पहले से सभी पक्षों की सहमति होती है और उचित सुरक्षा उपाय मौजूद रहते हैं। यह थोड़ा असामान्य हादसा था और भविष्य में इस तरह के आयोजनों को लेकर हम अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करते रहेंगे।'

रचिन की वापसी में नहीं करेगा जल्दबाजी

रचिन न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वह बल्ले और गेंद दोनों से टीम को योगदान देते हैं। उन्होंने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें 759 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 69 रन है। गेंदबाजी में उनके नाम 26 विकेट हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/27 रहा है।26 वर्षीय रचिन की गैरमौजूदगी न्यूजीलैंड के लिए भारत के खिलाफ सीरीज में बड़ा बदलाव होगी। हालांकि, टीम उनकी चोट को लेकर जल्दबाजी के मूड में नहीं है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम है, इसलिए रचिन की वापसी को लेकर सावधानी बरती जाएगी। वाल्टर ने कहा, 'अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

जापान रवाना होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को किट का इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 के लिए जापान रवाना होने से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने किट को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को अभी भी सही साइज की कुछ किट का इंतजार है। भारतीय टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से जापान के लिए रवाना होने वाली है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। किट के साइज को लेकर सामने आई समस्या को अब काफी हद तक सुलझा लिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। '

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग किट पहननी होंगी

भारतीय खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के दौरान दो अलग-अलग तरह की पोशाक की जरूरत होगी। 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपनी नियमित टीम किट पहनेंगे।

इसके बाद 28 सितंबर से शुरू होने वाली एशियाई खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम को एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहननी होगी। ढ्ढह्व के सूत्र के मुताबिक, दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत होने के कारण भी किट से जुड़ी समस्या सामने आई हो सकती है।सूत्र ने कहा, 'खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है, एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए, इसलिए ऐसा हुआ होगा। '

किट के अलावा जापान के नागोया में भारतीय खिलाड़ियों के आवास को लेकर भी समस्या सामने आई है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में देरी को देखते हुए पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खुद होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इसके विपरीत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ढ्ढह्व की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में ही ठहराया गया है और महिला टीम के रहने की व्यवस्था में किसी तरह की परेशानी नहीं आई। एक सूत्र ने बताया कि पुरुष टीम के लिए आयोजकों की ओर से जो कमरे उपलब्ध कराए गए थे, उनमें खिलाड़ियों के किट बैग रखने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसी वजह से क्चष्टष्ठ ने अपने स्तर पर होटल की व्यवस्था की।

सूत्र ने कहा, 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए, उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी। वहां ज्यादा बड़े होटल नहीं हैं, लेकिन क्चष्टष्ठ ने जापान रवाना होने से कुछ समय पहले ही अपने स्तर पर व्यवस्था कर ली थी। 'एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने आवंटित आवास तक पहुंचने से पहले घंटों इंतजार करना पड़ा। इस बार एशियाई खेलों में पारंपरिक खेल गांव की व्यवस्था नहीं की गई है। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए अलग-अलग तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। कुछ खिलाड़ियों को क्रूज जहाजों, कंटेनरों और होटलों में ठहराया जा रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4014

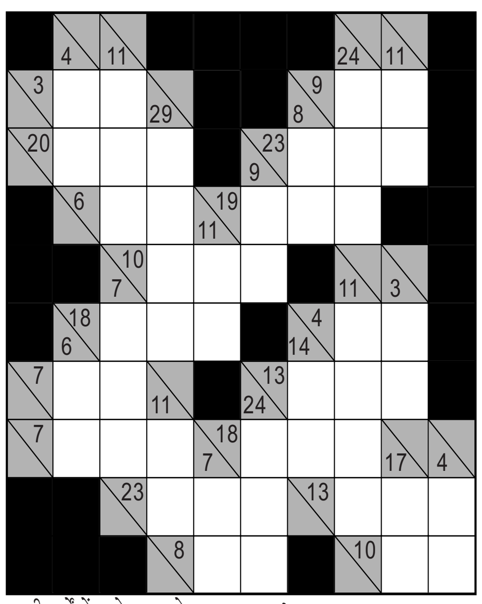

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4013 का हल

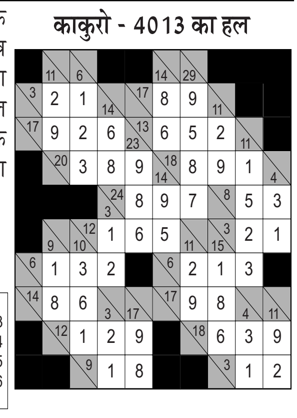

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.
'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.
फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला-'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'
आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

फिल्म वर्ग पहेली- 4014

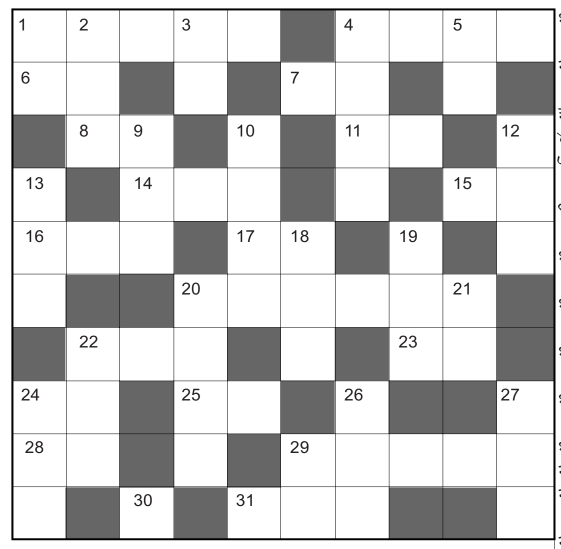

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4013

सूडोकु -4014

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4013 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 4014

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -4013 का हल

वायु प्रदूषण गर्भशिय में पल रहे शिशु के फेफड़े के लिए घातक

गर्भावस्था में वायु प्रदूषण से प्रभावित होने वाले बच्चे जन्म के बाद तेजी से सांस लेते हैं ताकि उनके फेफड़ों को अधिक से अधिक ऑक्सीजन मिल सके। यह घातक है। स्विटजरलैंड के 241 नवजात शिशुओं पर किए गए एक नए अध्ययन से यह पता चला कि वायुमंडलीय प्रदूषण जन्म से पहले शिशु के फेफड़े को खराब कर सकता है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि एक गर्भवती महिला जितनी ज्यादा प्रदूषित वायु को ग्रहण करेगी उसके शिशु को सांस लेने में उतनी ही कठिनाई होगी। एएपी की एक रिपोर्ट में बुधवार को यहां कहा गया है कि आस्ट्रेलिया के बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अध्ययन से मिली जानकारी ब्रिस्बेन की माताओं पर हाल में किए गए शोध का समर्थन करती है। इससे पर्यावरण अनुकूल 'शहरी योजना' बनाने की जरूरत को बल मिला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से पर्थ के बाल पर्यावरणीय स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशक पीटर स्ले ने बताया, इस बात पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है कि हम किस तरह से हमने शहर को तैयार कर रहे हैं।

बर्न विश्वविघालय के श्वसन तंत्र विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं के सांस लेने का अध्ययन किया। गर्भाशय में अधिकतम प्रदूषण हवा लेने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 48 बार जबकि कम मात्रा में प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 42 बार सांस ली। अधिकतम प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं में सांस के जरिए फेफड़े में पहुंची नाइट्रिक ऑक्साइड की भी अधिक मात्रा पायी गई।

मुख्य अनुसंधानकर्ता फिलीप लाटजिन ने बर्लिन में यूरोपीय श्वसन तंत्र सोसाइटी कांग्रेस में बताया कि मुख्य सड़कों के 150 मीटर दायरे में रहने वाले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले किए गए अध्ययन में केवल यह पता चला था कि वायु प्रदूषण से केवल स्कूली बच्चों के फेफड़े खराब होते हैं।

गोभी परिवार कर देता है कैंसर के खतरे को कम

ज्यादा सिगरेट पीते हैं तो ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए

जबरदस्त ढंग से सिगरेट धौंकने वालों के लिए एक खुशखबरी, अगर आपके आहार में गोभी प्रजाति की सब्जियां शामिल हैं तो कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। यानी ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए और फेफड़े, श्वासनली और रक्त के कैंसर के खतरे को कम कर लीजिए। न्यूयॉर्क के बैफैलो स्थित रोजवेल पार्क कैंसर इंस्टीज्यूट की वैज्ञानिक ली तांग के मुताबिक दिनभर में बीस से ज्यादा सिगरेट पीने वाले चेन-स्मोकर्स की श्रेणी में गिने जाते हैं और ऐसे लोगों को फेफड़े और मुंह का कैंसर होने का खतरा सर्वाधिक होता है, लेकिन अगर ज्यादा सिगरेट पीने वाले अपनी गिजा में गोभी, पत्ता गोभी और ब्रॉकली को शामिल कर लें तो कैंसर का खतरा कम हो जाता है। ली के अनुसार ऐसा शायद इन सब्जियों में पाए जाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स नामक एक रसायन की वजह से होता है। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की एक बैठक में सुश्री तांग ने बताया कि अपने शोधदल के साथ उन्होंने कैंसर के 948 मरीजों के साथ 1,743 ऐसे सामान्य लोगों पर रिसर्च किया, जिनके बारे में शक था कि उनको कैंसर है, लेकिन जांच में ऐसे नहीं पाया गया। तांग के मुताबिक जिन लोगों के मेन्यू में ब्रॉकली और गोभी सरीखी सब्जियां शामिल थीं, उनको कैंसर के कम करीब पाया गया, लेकिन गोभी परिवार से दूर रहने वालों को कैंसर की चपेट के करीब पाया गया। उन्होंने बताया कि ऐसी सब्जियों का असर स्मोकिंग कर रहे और छोड़ चुके लोगों पर देखा गया। सिगरेट को हाथ नहीं लगाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स के असर से बेअसर रहे। सुश्री तांग ने कहा अभी यह नतीजे परीक्षण से गुजर रहे हैं, स्मोकर्स को गोभी परिवार की सब्जियां खाने की सलाह नहीं दी जा सकती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के बाद मेरे पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज बॉलीवुड के सबसे बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। पहले फिल्मों में छोटे-मोटे रोल निभाने वाले अभिनेता ने कई फिल्मों में लीड रोल किया है। उन्होंने वर्षों तक छोटे-मोटे रोल किए और ऐसे रोल का इंतजार किया जो उनके करियर की दिशा बदल सके। यह टर्निंग पॉइंट 2012 में फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' से आया। इसमें फैजल खान के उनके किरदार ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास पहचान दिलाई। अब पीछे मुड़कर देखते हुए, एक्टर ने फिल्म के रिलीज होने के बाद आए बड़े बदलाव और अचानक मिले ढेर सारे ऑफर को कैसे संभाला, इस बारे में बात की है।

आई थी स्क्रिप्ट की बाढ़

नवाजुद्दीन से पूछा गया कि किस फिल्म ने उन्हें पहली बार स्टार जैसा महसूस कराया। उन्होंने तुरंत 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' का नाम लिया और एनडीटी के साथ बातचीत में कहा 'बेशक, यह 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' ही है।' उन्होंने याद किया कि फिल्म को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स की वजह से उनके पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी।

फैसलों को हावी नहीं होने दिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ''गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के रिलीज होने के बाद, मुझे कम से कम 200 स्क्रिप्ट्स मिलीं। मेरी टेबल पर ब्लैंक चेक रखे होते थे। लोग कहते थे, 'ये रही स्क्रिप्ट और ये रहा ब्लैंक चेक। आप जो चाहें वो रकम लिख दें और जो भी तारीखें आपके पास हों, हमें दे दें।'' एक ऐसे अभिनेता के लिए जिसने वर्षों तक काम की तलाश में बिताए हों, यह स्थिति एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करने का मौका हो सकती थी। हालांकि, नवाजुद्दीन ने अचानक मिली इस लोकप्रियता को अपने फैसलों पर हावी नहीं होने दिया।

क्यों ठुकराए ऑफर

सैकड़ों स्क्रिप्ट्स पर विचार करने और अपनी फीस खुद तय करने की आजादी मिलने के बावजूद, उन्होंने उन सभी को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें कहानी या कंटेंट पसंद नहीं आया। अभिनेता ने कहा, 'मैंने उनमें से एक भी स्क्रिप्ट नहीं चुनी क्योंकि मुझे कोई भी पसंद नहीं आई। मैंने तय किया कि मैं सही स्क्रिप्ट का इंतजार करूंगा।'

नहीं करना पड़ा इंतजार

उन्होंने याद करते हुए कहा, 'मुझे काम के लिए वर्षों तक इंतजार करने की आदत हो गई थी, इसलिए मैंने सोचा कि जल्दबाजी में कुछ साइन करने के बजाय मैं दो-तीन साल और इंतजार कर सकता हूं।'
उन्होंने आगे कहा, 'भगवान की कृपा से, मुझे ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा, क्योंकि जल्द ही मुझे कुछ बहुत अच्छी फिल्में मिलने लगीं।'

'वो फिर कभी दिखा नहीं' के लिए साथ आए नवाजुद्दीन और तिग्मांशु धूलिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और तिग्मांशु धूलिया एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों ने इससे पहले कई फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन इस बार वे दर्शकों के लिए कुछ खास ला रहे हैं। तिग्मांशु के निर्देशिन में बनने वाली यह फिल्म एक म्यूजिकल थ्रिलर बताई जा रही है, जिसका नाम 'वो फिर कभी दिखा नहीं' है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' यह फिल्म मशहूर कवि और लेखक उदय प्रकाश की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी पर आधारित है। फिल्म की कहानी और किरदारों से जुड़ी ज्यादातर जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है। खबर यह भी है कि फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है।'

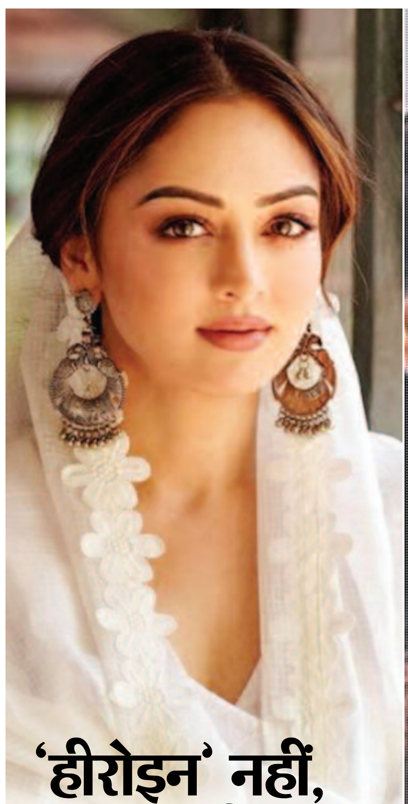

'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आईं। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है। संदीपा ने कहा, ''मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।''
संदीपा ने कहा, ''मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते है। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।''
अभिनेत्री ने आगे कहा, ''खुशकिस्मती से मैं ओटीटी स्पेस का हिस्सा बनी और मुझे अपनी अलग-अलग खूबियां दिखाने का मौका मिला। दर्शकों ने भी मुझे बहुत प्यार दिया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी अलग-अलग किरदार निभाती रहूंगी और अपनी रेंज दिखाती रहूंगी।'' संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ। जेडी मजेठिया और आतिश कपाड़िया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2' दिवाली पर मचाएगी धमाल

एक्ट्रेस नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मान 2' को लेकर फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। डायरेक्टर सुंदर सी. की इस डिवोशनल थ्रिलर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। मेकर्स ने सोमवार को बताया कि फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट के साथ ही फिल्म का रोमांचक टीजर भी जारी किया गया है। प्रोडक्शन हाउस वेल्स फिल्म इंटरनेशनल ने टीजर को 'राइज ऑफ महाशक्ति' नाम दिया है। इसे तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में जारी किया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी। इसकी शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है। एक सवार झरने से ढकी एक गुफा में पहुंचता है और अपनी रानी को आने वाले खतरे की खबर देता है। वह बताता है कि दुश्मन सैनिकों को पता चल चुका है कि बच्चा इसी जगह पर है और वे उसे ढूंढने के लिए यहां पहुंचने वाले हैं। इसके बाद कहानी का सबसे अहम हिस्सा सामने आता है। जिस बच्चे को दुश्मन सैनिक तलाश रहे हैं, वह कोई आम बच्चा नहीं बल्कि राजकुमार है। रानी के सामने अपने बच्चे को बचाने की चुनौती है, लेकिन उसके पास कोई रास्ता नहीं बचता। ऐसे में वह मूकुथी अम्मन देवी से मदद मांगती है। अपने बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए रानी देवी के सामने अपनी जान तक की कुर्बानी दे देती है।
इसी बीच एक महिला की आवाज सुनाई देती है, जो कहती है कि उसे वह शख्स चाहिए, चाहे जिंदा मिले या मुर्दा। टीजर में एक ऐसे खतरनाक आदमी की झलक भी देखने को मिलती है, जिसके पास दूसरों को राख में बदल देने की ताकत है। इन सीन्स से साफ है कि फिल्म में सिर्फ आस्था और देवी की कहानी नहीं होगी, बल्कि इसमें सुपरनैचुरल ताकत, खतरा और एक बड़ा मिशन भी देखने को मिलेगा। इसके बाद कहानी अचानक आज के समय में पहुंच जाती है। यहां एक्ट्रेस देवी से बचाने की गुहार लगाते हैं। वह कहती है कि लोगों को पहले देवी की अहमियत समझ नहीं आई और अब उन्हें उनकी असली ताकत का एहसास हो गया है। इसके बाद टीजर में देवी के लौटने और बच्चे को बचाने की झलक दिखाई जाती है। पूरे टीजर को देखकर लगता है कि फिल्म की कहानी दो अलग-अलग समय में आगे बढ़ेगी और पुराने दौर की कहानी का कनेक्शन आज के समय से होगा। 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग पिछले साल ही पूरी हो चुकी है।

अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग है' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं दिव्येंदु

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अभिनेता दिव्येंदु अब अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग है' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने इस स्कैम-बेस्ड कॉमेडी-ड्रामा का ट्रेलर जारी किया है।
'वेटिंग है' सीरीज के ट्रेलर में कन्फर्म रेलवे टिकट पाने के आम संघर्ष पर आधारित कहानी की झलक दिखाई गई है। पटना में सेट इस सीरीज की कहानी सुगम मिश्रा (दिव्येंदु) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रेलवे कॉन्स्टेबल के तौर पर अपनी नई नौकरी में जमने की कोशिश कर रहा है। कहानी में मोड़ तब आता है जब वह देखता है कि बुकिंग विंडो खुलने के कुछ ही सेकंड में रेलवे टिकट कन्फर्म हो जाते हैं।
सुगम मामले की जांच शुरू करता है और जल्द ही अफरोज हम्सा (भुवन अरोड़ा) का पीछा करने लगता है। अफरोज एक टेक एक्सपर्ट है, जिसने टिकट बुकिंग सिस्टम का तोड़ निकाल लिया है। जो मामला शुरू में आसान लगता है, वह जल्द ही एक बड़े रैकेट में बदल जाता है। सुगम की पत्नी प्रिंसी (हर्षिता गौर) भी उसे मामले की गहराई से जांच करने के लिए कहती है। जैसे-जैसे सुगम सच्चाई के करीब पहुंचता है, अफरोज उससे आगे रहने की कोशिश करता है। परिवार और नौकरी के बीच तालमेल सीरीज के ट्रेलर में सुगम और उनकी पत्नी के बीच संघर्ष भी दिखता है। सुगम अपने परिवार और अपनी नौकरी के बीच तालमेल बिठाते हुए नजर आते हैं। सीरीज में कॉमेडी का डोज भी है।
अपकमिंग सीरीज को लेकर दिव्येंदु ने कहा, 'सुगम की जिस बात ने मुझे आकर्षित किया, वह यह है कि वह कोई आम पुलिस वाला नहीं है जिसे सब कुछ पता हो। वह प्रोफेशनल तौर पर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है और साथ ही अपनी पर्सनल और नई शादीशुदा जिंदगी की सच्चाइयों का भी सामना कर रहा है। यह बैलेंस उसे बहुत रिलेटेबल बनाता है। मुझे उसके इस पहलू को एक्सप्लोर करने में मजा आया।'

'शैतान' के बाद फिर से हॉरर फिल्म से जुड़े अजय

अजय देवगन ने एक बार फिर हॉरर की दुनिया में कदम रख दिया है। 'शैतान' की सफलता के बाद उन्होंने पैनोरमा स्टूडियोज के साथ अपनी अगली अनटाइटल्ड हॉरर थ्रिलर की शूटिंग शुरू कर दी है। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। इसे अजय की कंपनी देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। दोनों प्रोडक्शन हाउस इससे पहले 'शैतान' और 'रेड 2' जैसी फिल्मों पर साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। निर्देशक रोहित हाल ही में 'सरदार जी' फ्रेंचाइज के साथ-साथ सोनी लिव की 'चमक' और नेटफ्लिक्स की 'ये काली काली आंखें' जैसे प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं। अलग-अलग जॉनर में काम कर चुके रोहित अब हॉरर और सस्पेंस की दुनिया तैयार करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म का माहौल रहस्य, अंजाने डर और सस्पेंस पर आधारित होगा।

बिजी शेड्यूल के बीच क्राइम शो भी होस्ट कर रहे अजय

दूसरी तरफ अजय ने टीवी पर भी अपना डेब्यू कर लिया है। वह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के चर्चित क्राइम शो 'क्राइम पेट्रोल: क्राइम का करंट सीजन' को होस्ट कर रहे हैं। अजय ने बताया कि उन्हें शो का सबसे दिलचस्प पहलू इसके वास्तविक अपराध मामलों से प्रेरित होना लगा है।

'डोंट बी शाय' को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं हैं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म 'डोंट बी शाई' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।' आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, '14 साल पहले मैंने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है।' एक्ट्रेस ने आगे कहा: 'जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा।'
श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डोंट बी शाय' 20 साल की लड़की श्यामिली 'शाइ' दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने जिंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में ईरान का बड़ा एक्शन: टोगो के तेल टैंकर को बनाया निशाना, इलाके में बढ़ा तनाव

तेहरान, एजेंसी। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में टोगो के झंडे के नीचे चल रहे एक तेल टैंकर पर हमला किया। इसके बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से फरवरी के अंत में ईरान पर हमला करने के बाद से तेहरान ने जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी कर रखी है। दरअसल, इस्लामी गणराज्य आवागमन के लिए शुल्क लगाना चाहता है और उन जहाजों पर हमला करता है, जिन पर वह अपने पसंदीदा मार्ग को दरकिनार करने का प्रयास करने का आरोप लगाता है। बयान में कहा गया है, 'टोगो के झंडे वाले तेल टैंकर 'ट्रेंड' को उस समय निशाना बनाया गया और हिरासत में लिया गया जब उसमें आग लग गई।' यह बयान महत्वपूर्ण जलमार्ग से अवैध रूप से गुजरने के प्रयास का जिक्र करते हुए दिया गया था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने गुरुवार को ओमान के खासब से 16 समुद्री मील (29.6 किमी) उत्तर-पूर्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में एक सुरक्षा घटना की घोषणा की।यूकेएमटीओ ने शामिल पोत के बारे में कोई जानकारी नहीं दिया। इसके साथ ही यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह वही पोत है जिसका जिक्र रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किया था।

अमेरिका के मिशिगन में ट्रेनिंग के दौरान एफ-16 क्रैश, पायलट अस्पताल में भर्ती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सैन्य ट्रेनिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सैन्य ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एफ-16 फाइटर जेट क्रैश हो गया। क्रैश होते ही आग लग गई और जेट पूरी तरह धूं-धूं कर जल उठा। गनीमत रही कि पायलट सुरक्षित इजेक्ट करने में कामयाब रहा, जिससे उसकी जान बच गई। फिलहाल, पायलट को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। पायलट का इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दरअसल, गुरुवार को मिशिगन के ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी में एक एफ-16 फाइटर जेट क्रैश हो गया। काउंटी के इमरजेंसी मैनेजमेंट विभाग ने बताया कि काउंटी रोड 633 के कुछ हिस्सों में लोगों को वहां से हटने का आदेश दिया गया है। टेक्सास नेशनल गार्ड के 149वें फाइटर विंग के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया था और उसकी हालत स्थिर है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। प्रवक्ता के अनुसार, क्रैश के समय यह विमान एक रूटीन ट्रेनिंग एक्सरसाइज में हिस्सा ले रहा था। मिशिगन में फाइटर जेट क्रैश होने के बाद हड़कंप मच गया। वहां आसपास मौजूद लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी और आसमान में काले धुए का गुबार छा गया। एक चशमदीद ने बताया कि क्रैश होने से पहले विमान बहुत नीचे उड़ रहा था। क्रैश के बाद, विमान से केमिकल लीक होने की खबरें आईं। शुरू में, लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई थी, लेकिन बाद में मिशिगन पुलिस ने एक मील के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए 'शेल्टर-इन-प्लेस' यानी घर के अंदर सुरक्षित रहने का आदेश जारी किया।

जापान में भालू मंत्री! परेशान होकर सरकार ने बनाया अलग मंत्रालय; कैबिनेट मिनिस्टर को जिम्मा

टोक्यो, एजेंसी। जापान में भालू के तांडव को देखते हुए सना तकाइची सरकार ने एक अलग मंत्रालय बनाने का फैसला लिया है. इस मंत्रालय के प्रमुख को कैबिनेट रैंक दिया जाएगा. मंत्रालय का काम भालुओं के हमले से लोगों को बचाना होगा. कंट्रोल को लेकर यह मंत्रालय आने वाले दिनों में एक रोडमैप तैयार करेगा. यह फैसला गुरुवार को कैबिनेट फेरबदल के दौरान लिया गया. ब्लूमबर्ग के मुताबिक जापान भालुओं के हमले से काफी परेशान है. इसको लेकर लगातार लोगों की शिकायत आ रही थी. अब सरकार ने इसके कंट्रोल के लिए अलग से मंत्रालय बनाने का फैसला किया है. जापान सरकार ने कैबिनेट फेरबदल में सत्ताधारी दल के सांसद हिरोयोशी सासागावा को भालू कंट्रोल मामलों के विभाग का नया मंत्री नियुक्त किया है. उन्हें पर्यावरण मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा वे आपातकालीन परमाणु विभाग का कामकाज भी देखेंगे. नए फेरबदल में वित्त, रक्षा, वाणिज्य और विदेश मंत्रियों के कामकाज में कोई बदलाव नहीं किया गया है. तकाएची का कहना है कि यह कैबिनेट का पुनर्गठन है।

अमेरिका का नया नियम: 30 पार कर चुके सैनिकों की टेस्टोस्टेरोन जांच अब जरूरी, पेंटागन ने जारी की गाइडलाइन

वॉशिंगटन , एजेंसी। पेंटागन ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के अमेरिकी सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन की कमी की अनिवार्य जांच शुरू करने के लिए नई क्लिनिकल गाइडलाइन जारी की हैं। इसके साथ ही, इलाज के लिए सीमाएं तय की हैं। वहीं, सिर्फ परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए इस हार्मोन का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी भी दी है।

रक्षा स्वास्थ्य एजेंसी ने क्या निर्देश जारी की है : रक्षा स्वास्थ्य एजेंसी ने 17 सितंबर को गाइडेंस जारी की। यह जुलाई के उस निर्देश के तहत पुरुष सैन्य कर्मियों के लिए स्क्रीनिंग और इलाज की एक जैसी प्रक्रियाएं तय करती है, जिसमें सक्रिय और आरक्षित कर्मियों शामिल हैं। 30 साल से कम उम्र के लोग स्क्रीनिंग के लिए अनुरोध कर सकते हैं। पेंटागन ने इस पहल को युद्ध की तैयारियों से जोड़ा।

पेंटागन की ओर से क्या कहा गया : पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'विभाग एक ऐसी तैयार और घातक लड़ाकू फोर्स बनाने और उसे बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो युद्ध के मैदान में दबदबा बनाने और ताकत के जरिए शांति हासिल करने में सक्षम हो।' हालांकि, क्लिनिकल दस्तावेज में पुष्टि की गई कमी का इलाज करने और युद्ध

के मैदान में बेहतर प्रदर्शन के लिए टेस्टोस्टेरोन देने के बीच स्पष्ट अंतर बताया गया है।

इसमें कहा गया है, 'मौजूदा सबूतों के आधार पर, किसी बीमारी या कमी के इलाज के बजाय परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के मकसद से दी जाने वाली सलाह को सही नहीं ठहराया जा सकता।' गाइडेंस के मुताबिक, स्क्रीनिंग की शुरुआत लक्षणों और जोखिम वाले कारकों (रिस्क फैक्टर्स) के व्यवस्थित आकलन से होती है। अगर यह आकलन पॉजिटिव आता है या लिस्ट में शामिल कोई जोखिम कारक मौजूद होता है, तो इसके बाद ब्लड टेस्ट किया जाता है। स्क्रीनिंग की जरूरत का मतलब यह नहीं है कि हर सर्विस मेंबर को अपने-आप हार्मोन ट्रीटमेंट मिल जाएगा। बीमारी का पता लगाने के लिए लगातार कम टेस्टोस्टेरोन लेवल और उससे जुड़े लक्षणों का होना जरूरी है। सिर्फ लैब की कम रीडिंग या सिर्फ लक्षण काफी नहीं हैं। गाइडलाइन के अनुसार, अलग-अलग दिनों में खाली पेट सुबह के समय खून के दो सैंपल लेने चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर टोटल टेस्टोस्टेरोन रीडिंग नॉर्मल रेंज में होने के बावजूद लक्षण बने रहते हैं, तो आगे और टेस्ट किए जाने चाहिए।

इसके लक्षणों में क्या होती है : इसके लक्षणों में ऊर्जा में कमी, ध्यान लगाने में दिक्कत, मांसपेशियों का कम होना और उदास महसूस करना शामिल हो सकता है। गाइडेंस में चेतावनी दी गई है कि ये लक्षण नींद की कमी, मानसिक तनाव, जरूरत के हिसाब से कैलोरी न लेने और मिलिट्री सर्विस में आम दूसरी स्थितियों जैसे भी हो सकते हैं। गाइडेंस में बताए गए मिलिट्री सर्विलांस रिकॉर्ड से पता चलता है कि 2018 और 2025 के बीच, हर साल 1% से भी कम पुरुष सर्विस मेंबर में एक्टिव क्लिनिकल डायग्नोसिस पाया गया।

टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से क्या फायदा होते है : डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से शरीर की बनावट और बोन मिनरल डेंसिटी में फायदे देखे गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि ऊर्जा, जीवन-शक्ति, शारीरिक कार्यक्षमता या सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निशन) को बेहतर बनाने के लिए इसके इस्तेमाल का समर्थन करने वाले सबूत नहीं हैं। साथ में दी गई मरीजों के लिए जानकारी वाली शीट से यह साफ होता है कि इलाज करवाना एक विकल्प है।

थेरेपी से जिनकी हालत स्थिर है। उन्हें आम तौर पर बिना किसी विशेष छूट (वेवर) के तैनाती के लिए भेजा जा सकता है, बशर्ते दवा का प्रकार ऐसा हो। इलाज करने वालों को तैनाती की अवधि और उसके बाद के 90 दिनों के लिए पर्याप्त दवा का इंतजाम करना होगा, या फिर दोबारा दवा सप्लाई करने की योजना का रिकॉर्ड रखना होगा। खास तरह की ड्यूटी के लिए अलग नियम लागू रहेंगे।

35 मिलियन डॉलर के पोंजी केस में भारतीय मूल के शख्स को 11 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 35 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पोंजी स्कीम के मामले में भारतीय मूल के निवेशक सिद्धार्थ जवाहर को 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी और टेलर स्विफ्ट के पति ट्रैविस केल्से का नाम भी पीड़ित निवेशकों में शामिल किया गया है। अदालत में मंगलवार को अभियोजन पक्ष ने 64 पीड़ितों के नाम पढ़े, जिनमें 38 वर्षीय ट्रैविस केल्से का नाम भी शामिल था। हालांकि, केल्से ने इस मामले में कितनी रकम निवेश की थी या उन्हें कितना नुकसान हुआ, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

कौन हैं सिद्धार्थ जवाहर : सिद्धार्थ जवाहर टेक्सास स्थित निवेश कंपनी स्विफ्टआर्क कैपिटल एलएलसी के संस्थापक थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, उन्होंने निवेशकों से 35 मिलियन डॉलर से ज्यादा जुटाए और बाद में नए निवेशकों से मिली रकम का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को भुगतान करने के लिए किया। यह पोंजी स्कीम का तरीका है।

जवाहर ने जनवरी में तीन संघीय वायर फ्रॉड आरोपों में अपना अपराध स्वीकार किया था। अदालत ने उन्हें 11 साल की संघीय जेल की सजा सुनाने के साथ 31.35 मिलियन डॉलर की भरपाई करने का आदेश दिया है।

ट्रैविस केल्से कैसे जुड़े : 2021 में फोर्ब्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में ट्रैविस केल्से को स्विफ्टआर्क के एक फंड के निवेशक के तौर पर बताया गया था। इस फंड की सह-स्थापना सिद्धार्थ जवाहर ने की थी। केल्से के अलावा एनबीए खिलाड़ियों टिम हार्डवे जूनियर, गैरी हैरिस और मेसन प्लमली के नाम भी उस फंड के निवेशकों में बताए गए थे। हालांकि, इन खिलाड़ियों की मौजूदा मामले में पीड़ित के तौर पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। केल्से ने जवाहर के फंड में कितनी रकम लगाई थी इसका भी सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं हुआ है। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी भी नहीं दी कि इस मामले में केल्से की सटीक भूमिका या वित्तीय नुकसान कितना था।

निवेशकों के पैसों का क्या किया : अभियोजन पक्ष के अनुसार, जवाहर ने निवेशकों से मिली रकम का केवल करीब 10 मिलियन डॉलर निवेश किया। बाकी रकम के एक हिस्से का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को भुगतान करने और निजी खर्चों के लिए किया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि जवाहर ने निजी विमान की उड़ानों, महंगे होटलों और महंगे रेस्तरां पर भी पैसे खर्च किए। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, सजा सुनाए जाने से पहले समर्थन जुटाने के लिए उन्होंने अगस्त में राजनीतिक कंसल्टिंग फर्म एक्सियम स्ट्रैटेजीज को 10,000 डॉलर का भुगतान भी किया था। जवाहर भारत के रहने वाले हैं और अभियोजन पक्ष के अनुसार वह 2005 से बिना कानूनी इमिग्रेशन स्टेटस के अमेरिका में रह रहे थे।

कैमरून में बोको हराम का हमला, 13 नागरिकों की मौत, एक घायल

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में बोको हराम के आतंकियों के कथित हमले में कम से कम 13 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह हमला गुरुवार को स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 1 बजे से 2 बजे के बीच लोगोन-एट-चारी डिवीजन के मकरी सब-डिवीजन के माडेगौआ इलाके में हुआ। हमले के समय स्थानीय लोग अपने घरों में सो रहे थे। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर इलाके में घुस आए और 13 नागरिकों की मौके पर ही हत्या कर दी। हमले में बचा एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों का मानना है कि यह हमला बदले की कार्रवाई हो सकता है। कुछ महीने पहले सुरक्षा बलों ने बोको हराम के आतंकियों के लिए भेजे जा रहे गोला-बारूद के एक बड़े जखीरे को जब्त किया था। इससे पहले अगस्त में कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में ही संदिग्ध बोको हराम आतंकियों ने कांगलेरी गांव पर हमला किया था। इस हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हुई थी और एक व्यक्ति घायल हुआ था।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हमला 7 अगस्त की रात करीब 11 बजे हुआ था। हथियारबंद हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर गांव में घुसे थे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए थे। हमले में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बाद में दो लोगों की मौत हो गई। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इस हमले की पूरी परिस्थितियों की पुष्टि नहीं की है। उसी रात नाइजीरिया की सीमा के पास मोकोलो जिले के टूरू शहर में भी बोको हराम से जुड़े संदिग्ध हथियारबंद लोगों की गतिविधियां सामने आई थीं।

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में पकड़े गए कम से कम 33 लोगों की हिरासत में मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर राज्य में सुरक्षा एजेंसी की कोठरी में बंद अवैध खनन के 33 संदिग्ध मृत पाए गए हैं। अधिकारियों ने किसी अज्ञात बीमारी या संक्रमण फैलने की आशंका जताई है, जबकि एक जीवित बचे व्यक्ति का आरोप है कि कोठरी में दम घुटने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में गिरफ्तार किए गए कम से कम 33 लोग बृहस्पतिवार को मृत पाए गए। ऐसी आशंका है कि इनलोगों की मौत संक्रमण के कारण हुयी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

नाइजीरिया के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि अवैध खनन के आरोपियों की मौत किसी संक्रमण के फैलने के कारण हुई है। हालांकि, इसमें जीवित बचे दाउदा

शेहू ने बताया कि 65 लोगों को एक ऐसी कोठरी में ठूंसकर रखा गया था जहां हवा आने-जाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उसने कहा कि हिरासत में रखे गए इन लोगों की मौत संभवतः दम घुटने से हुई।

'नाइजीरिया सिक्योरिटी एंड सिविल डिफेंस कोर' (एनएससीडीसी) के प्रवक्ता अबुबकर मुती ने बताया कि इन लोगों की मौत उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में एनएससीडीसी की हिरासत में हुई। नाइजर में एनएससीडीसी के प्रमुख सुबेरू सियाका अनिविये ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि सुरक्षा एजेंसी ने राज्य में अवैध खनन के संदेह में मंगलवार और बुधवार को इन लोगों को गिरफ्तार किया था और तभी से वे हिरासत में थे। अनिविये ने कहा कि एजेंसी को आशंका है कि इन लोगों की मौत कोई बीमारी फैलने से हुई।

उन्होंने साथ ही कहा कि मौत के असल कारण का पता लगाने के लिए शवों को एक स्थानीय अस्पताल भेजा गया है ताकि ''आगे की चिकित्सकीय जांच'' की जा सके। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस बीमारी का संदेह है। शेहू ने कहा, ''हमें ठूंसकर रखा गया था और हवा आने-जाने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी।

अचानक हमारा दम घुटने लगा और ताजा हवा के लिए हम छटपटाने लगे।'' शेहू ने अस्पताल में एपी से बातचीत की जहां शवों को परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसने बताया कि कोठरी में बंद लोगों ने दरवाजा पीटकर सुरक्षा एजेंसी के गार्ड का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। इस घटना में अपने दो बेटों को खोने वाले शफातु सुलेमान ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। नाइजर राज्य की पुलिस ने कहा कि उसने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विदेश मंत्री जयशंकर और भूटान के राजा ने थिम्पू के ताशिचो द्जोंग में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया

थिम्पू, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ थिम्पू के प्रतिष्ठित ताशिचो जोंग में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ताशिचो जोंग में राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक की गरिमामयी उपस्थिति में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के समर्पित जनसेवा को सम्मान दिया, जिसने दुनियाभर में अनगिनत जिंदगियों पर प्रभाव डाला है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भूटान के विदेश मंत्री डीएन धुंग्येल, भूटान में भारत के मित्र और भारतीय समुदाय

के लोग भी शामिल हुए।' इससे पहले दिन में विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री तोबगे के साथ अपनी बैठक के दौरान हिमालयी देश को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपे। विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम तोबगे को पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं और भूटान की प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज थिम्पू में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मिलकर खुशी हुई। पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। हमारी दोस्ती और सहयोग के अनोखे संबंधों के लिए उनकी भावनाओं की गहराई से कद्र करता हूं। भारत भूटान की प्रगति और समृद्धि के लिए मजबूती से प्रतिबद्ध है।' वहीं, भूटान को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ई-मोबिलिटी और सतत परिवहन की दिशा में भूटान की प्रगति का समर्थन कर रहा है।

स्वस्थ खान-पान, सक्रिय जीवन से हो रही लंबी आयु; 100 पार में 87.6% महिलाएं

टोक्यो , एजेंसी। जापान में 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या पहली बार एक लाख के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब 1,07,677 शतायु हैं। इनमें 94,298 महिलाएं यानी 87.6% और 13,379 पुरुष हैं। पिछले साल के मुकाबले इनकी संख्या 7,914 बढ़ी है। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जापान में 100 साल पार लोगों की संख्या बढ़ने के पीछे स्वस्थ खान-पान, बेहतर पोषण और जीवन परिस्थितियों में सुधार, सक्रिय रहना, नियमित स्वास्थ्य जांच और बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं को प्रमुख वजह माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, महिलाओं के अधिक समय तक जीवित रहने की एक वजह इस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब का अधिक चलन भी रहा। पुरुषों का ज्यादा शारीरिक मेहनत वाले कामों में रहना भी एक कारण माना जाता है। उम्र बढ़ने के बाद महिलाओं का परिवार और समुदाय से जुड़े रहना भी उनके लिए फायदेमंद रहा। उपलब्धि के साथ बड़ी चुनौती भी शतायु लोगों की बढ़ती संख्या जापान के लिए उपलब्धि के साथ चुनौती भी है। देश पहले से ही घटती आबादी और बढ़ते बुजुर्ग वर्ग से जूझ रहा है। 2020 से 2025 के बीच जापान की आबादी करीब 31 लाख कम हुई और अब देश की कुल आबादी करीब 12.23

करोड़ है। जन्मदर कम होने से युवा और कामकाजी आबादी घट रही है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में इसका असर ज्यादा है। इस समय जापान की कुल आबादी करीब 12.26 करोड़ है।

सबसे बुजुर्ग महिला 114 और पुरुष 112 साल के जापान की सबसे बुजुर्ग जीवित महिला फुयो किशिमोटो हैं, जो क्योटो की रहने वाली हैं। उनकी उम्र 114 वर्ष है। सबसे बुजुर्ग पुरुष हिकारू काटो हैं, जो कुमामोटो के रहने वाले हैं और 112 वर्ष के हैं। निगाता के ओसोनोगो गांव के 107 वर्षीय तेत्सुओ सातो भी शतायु लोगों में शामिल हैं। सुनने और देखने में परेशानी के बावजूद वह खुद को व्यस्त रखते हैं। 1963 में सिर्फ 153 थे जापान में शतायु लोगों की संख्या 1963 में सिर्फ 153 थी। 1981 में यह एक हजार, 1998 में 10 हजार और 2012 में 50 हजार के पार पहुंच गई। 2025 में यह 99,763 थी, जो अब एक लाख पार हो गई है।

पाकिस्तान में कंगाली का असर! सरकारी गाड़ियों का पेट्रोल आधा; विदेश यात्रा पर भी ब्रेक

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक दबाव से जूझ रहे पाकिस्तान ने सरकारी खर्च कम करने के लिए अब सीधे सरकारी गाड़ियों से लेकर विदेश यतक पर कैंची चला दी है. पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को जारी आदेश में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन की उपलब्धता 50 फीसदी घटाने का फैसला किया है. यह व्यवस्था तीन महीने के लिए लागू रहेगी. हालांकि सेना, कानून-व्यवस्था और जरूरी सेवाओं से जुड़े ऑपरेशनल वाहनों को इससे बाहर रखा गया है.

पाकिस्तानसरकार ने नई सरकारी गाड़ियां खरीदने पर पूरी तरह रोक लगा दी है. इतना ही नहीं, IT से जुड़ी खरीद को छोड़कर दूसरे टिकाऊ सामान की खरीद पर भी रोक लगा दी गई है. यानी फिलहाल सरकारी दफ्तरों में नई गाड़ी और नया सामान खरीदने का रास्ता बंद रहेगा.

विदेश यात्रा भी इमरजेंसी मोड में : अगले तीन महीनों तक सरकारी अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर पूरी रोक रहेगी. यहां तक कि जरूरी यात्राओं को भी सामान्य तौर पर मंजूरी नहीं होगी. कुछ सीमित अपवाद रखे गए हैं, जबकि अनिवार्य यात्राओं में मंत्रियों, सलाहकारों और अन्य सरकारी पदाधिकारियों को इकोनॉमी क्लास में सफर करना होगा. बैठकों के लिए भी सरकार ने कहा है कि जहां संभव हो, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग का इस्तेमाल

किया जाए. सरकारी खर्च पर सेमिनार, ट्रेनिंग और कॉन्फ्रेंस आयोजित करने पर भी रोक लगाई गई है.

दावतों पर भी सरकारी ब्रेक : पाकिस्तान सरकार ने सरकारी आधिकारिक डिनर की मेजबानी पर भी रोक लगा दी है. अपवाद सिर्फ विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए रखा गया है. इतना ही नहीं, शादी से जुड़े कार्यक्रमों में सिर्फ एक डिश परोसने का निर्देश दिया गया है. और बाजारों की टाइमिंग भी जस की तस रहेगी–दुकानें और बाजार रात 9 बजे, मैरिज हॉल 10 बजे और रेस्तरां-कैफे रात 11 बजे तक बंद करने होंगे. टेकअवे और होम डिलीवरी को इससे छूट दी गई है. पाकिस्तान सरकार ने साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के गैर-ईआरई बजट में 5 फीसदी कटौती का फैसला किया है. सरकार ने प्रांतीय और क्षेत्रीय ससरकारी वाहनों के ईंधन में 50 फीसदी कटौती कैबिनेट डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी और प्रशासनिक वाहनों के लिए ईंधन आवंटन आधा कर दिया गया है। यह व्यवस्था तीन महीने तक लागू रहेगी। हालांकि सशस्त्र बलों, सिविल आर्म्ड फोर्सेज, कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों और जरूरी सेवाओं से जुड़े ऑपरेशनल वाहनों को इससे छूट दी गई है। सरकार ने सभी तरह के नए वाहनों की खरीद पर भी रोक लगा दी है। इसके साथ ही आईटी से जुड़ी खरीद को छोड़कर टिकाऊ सामान की सरकारी खरीद पर प्रतिबंध लगाया गया है। विकास परियोजनाओं को इन दोनों प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है।रकारों को भी इसी तरह के उपाय अपनाने पर विचार करने को कहा है.

शादी में अब सिर्फ एक डिश : पाकिस्तान सरकार के नए निर्देशों का असर शादी और अन्य समारोहों पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरिज फंक्शन और शादी से जुड़े आयोजनों में अब केवल एक डिश परोसने की अनुमति होगी। यह कदम गैर-जरूरी खर्च और संसाधनों की खपत कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके अलावा मैरिज हॉल और अन्य समारोह स्थल रात 10 बजे तक बंद करने होंगे। रेस्टोरेंट, कैफे और अन्य खाने-पीने के आउटलेट्स को रात 11 बजे तक बंद करने का निर्देश दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)